दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 250 | भोपाल, बुधवार 24 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

चन्द्रघण्टा

(तीसरा दिन)

पिण्डजप्रवरारूढ़ा
चण्डकोपास्त्राकैर्युता।
प्रसादं तने महां चन्द्रघण्टेति
विश्रुता।।

माँ दुर्गा जी की तीसरी शक्ति का नाम 'चन्द्रघण्टा' है। नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन-आराधना किया जाता है। इनका यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके मस्तक में घण्टे के आकार का अर्धचन्द्र हैं, इसी कारण से इन्हें चन्द्रघण्टा देवी कहा जाता है।

भारत अक्टूबर में ड्रोन और काउंटर-ड्रोन अभ्यास करेगा

- एयर डिफेंस सिस्टम की मजबूती परखी जाएगी

एजेंसी| नई दिल्ली

भारत अक्टूबर के पहले हफ्ते में कोल्ड स्टार्ट नाम का बड़ा सैन्य अभ्यास करने वाला है। ये एक्सरसाइज ड्रोन और उन्हें रोकने वाली तकनीक यानी काउंटर-ड्रोन सिस्टम की जांच के लिए होगी। इस ड्रिल में ये परखा जाएगा कि हमारी एयर डिफेंस सिस्टम कितनी मजबूत है और किन जगहों पर सुधार की जरूरत है। ये ड्रिल ऑपरेशन सिंदूर के बाद की सबसे बड़ी तैयारी होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस अभ्यास का मकसद नए हवाई खतरों के खिलाफ सेनाओं की तैयारियों का परीक्षण करना है। दिल्ली में मंगलवार को आयोजित काउंटर यूएवीएस और एयर डिफेंस सिस्टम्स सम्मेलन में एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा कि वे भी भारत जैसा बनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमें हमेशा एक कदम आगे रहना होगा। 5-6 साल में भारत में 10 हजार से ज्यादा ड्रोन होंगे एयर मार्शल ने कहा कि पीएचडीसीसीआई के आकलन के मुताबिक आने वाले 5-6 साल में भारत में 10 हजार से ज्यादा ड्रोन होंगे। यह अनुमान मुख्यालय आईडीएस की टेक्नोलॉजी रोडमैप रिपोर्ट के आधार पर लगाया गया है। एयर मार्शल दीक्षित ने आगे कहा कि सम्मेलन में ''ऑपरेशन सिंदूर'' पर भी चर्चा हुई, जिसमें भारत की काउंटर-ड्रोन और एयर डिफेंस तकनीकों की सफलता पर जोर दिया गया।

अभिनेता मोहनलाल दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित

पहला नेशनल अवॉर्ड लेकर भावुक दिखे शाहरुख, उन्हें और विक्रांत को बेस्ट एक्टर, रानी मुखर्जी को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड

एजेंसी| नई दिल्ली

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मंगलवार को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स दिए गए। शाहरुख खान, विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर और रानी मुखर्जी को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। मलयाली एक्टर मोहनलाल को फिल्म जगत में उनके योगदान के लिए हिंदी सिनेमा के सबसे गौरवपूर्ण दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शॉल पहनाई और गोल्डन लोटस अवॉर्ड दिया। इस दौरान मोहनलाल को स्टैंडिंग ओवेशन मिला।

शाहरुख खान, विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड

शाहरुख खान को फिल्म जवान और विक्रांत मैसी को फिल्म 12वीं फेल के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है।

वहीं रानी मुखर्जी को मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला। ये शाहरुख, विक्रांत और रानी तीनों के करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड है। मलयाली एक्ट्रेस उर्वशी को ओलूझुक्कू के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड दिया गया है, ये अवॉर्ड उन्होंने वश (गुजराती) फिल्म एक्ट्रेस जानकी बोड़ीवाला से साझा किया है।

वैभवी मर्चेंट और शिल्पा राव ने भी लिया अवॉर्ड

शाहरुख खान की फिल्म जवान के गाने चलेया के लिए शिल्पा राव को बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इसके अलावा फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के गाने ढिंढोरा बाजे रे के लिए वैभवी मर्चेंट को बेस्ट कोरियोग्राफी अवॉर्ड मिला है।

बेस्ट हिंदी फिल्म बनी सान्या मल्होत्रा की कटहल

साल 2023 में रिलीज हुई सान्या मल्होत्रा स्टारर फिल्म कटहल को बेस्ट हिंदी फिल्म का नेशनल अवॉर्ड मिला है।

इस फिल्म के लिए डायरेक्टर यशोवर्धन मिश्रा अवॉर्ड लेने पहुंचे थे।

सिनेमा मेरी आत्मा की धड़कन है: मोहनलाल

सम्मान हासिल करते हुए उन्होंने कहा यह मेरे लिए महान गौरव और कृतज्ञता का पल है कि मैं आज यहां खड़ा हूं। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के प्रतिनिधि के रूप में यहां खड़ा होना मेरे लिए अत्यंत विनम्र और गौरवपूर्ण पल है। मैं अत्यंत विनम्र हूं कि मैं इस पुरस्कार का सबसे युवा प्राप्तकर्ता हूं और अपने राज्य से यह राष्ट्रीय मान्यता पाने वाला केवल दूसरा व्यक्ति हूं। यह पल सिर्फ मेरा नहीं है, यह पूरे मलयालम सिनेमा परिवार का है। सच कहूं तो, मैंने कभी इस पल का सपना देखने की हिम्मत भी नहीं की थी। अपने सबसे बड़े सपनों में भी नहीं। इसलिए यह सिर्फ कोई सपना सच होने जैसा नहीं है, यह उससे कहीं बड़ा, जादुई और पवित्र है। सिनेमा मेरी आत्मा की धड़कन है।

संक्षिप्त समाचार

पीके को 100 करोड़ की मानहानि नोटिस

पटना। मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी ने जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा है। पीके ने 3 दिन पहले अशोक चौधरी पर 200 करोड़ की जमीन खरीदने का आरोप लगाया था। इस मामले में अशोक चौधरी ने बिना शर्त माफी मांगने के कहा है। उन्होंने नोटिस में कहा कि प्रशांत किशोर की ओर से लगाए जा रहे आरोप भ्रामक और उनकी घबराहट और बौखलाहट का परिणाम हैं। इससे पहले भी प्रशांत किशोर पर मानहानि का मामला दायर किया था, जिसके बाद 17 सितंबर को कोर्ट ने पेशी के लिए उन्हें बुलाया था।

4 दोस्तों समेत 5 की जिंदा जलकर मौत

अलीगढ़। अलीगढ़ में जीटी रोड पर 5 की जिंदा जलकर मौत हो गई। यहां 100 की स्पीड से जा रही कार का अचानक टायर फट गया। इससे कार बेकाबू होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे साइड से जा रहे कैंटर से टकरा गई। राहगीर ने एक को खींचकर बाहर निकाला। इसके बाद तेज धमाका हुआ, फिर दोनों वाहनों में आग लग गई। हादसे में कार सवार सभी चार लोग और कैंटर चालक जिंदा जल गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंची। 20-25 मिनट में आग बुझाई गई। इसके बाद पुलिस ने देखा तो शवों के सिर्फ कंकाल बचे थे। बॉडी बैग में पुलिस सभी शवों को लेकर गई। अभी किसी की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी फटा

पोर्ट ब्लेयर। अंडमान-निकोबार के बैरन आइलैंड में बीते 8 दिनों के भीतर दो बार हल्के ज्वालामुखी विस्फोट हुए हैं। यहां भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है। यह ज्वालामुखी 13 और 20 सितंबर को फटा, हालांकि दोनों बार विस्फोट हल्के दर्जे के थे और आसपास के इलाकों पर किसी तरह का खतरा नहीं है। बैरन आइलैंड पोर्ट ब्लेयर से करीब 138 किलोमीटर दूर है और यह दक्षिण एशिया का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है।

कोलकाता में भारी बारिश से बाढ़, 7 की मौत

सडकों पर 3 फीट तक पानी, फ्लाइट्स-मेट्रो सेवा प्रभावित; हावड़ा में रेलवे ट्रैक डूबा

एजेंसी| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में रातभर की बारिश से मंगलवार को बाढ़ आ गई। अब तक 7 लोगों की मौत की खबर है। इनमें ज्यादातर की मौत करंट लगने से हुई है। सडकों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया है। कोलकाता में पिछले 24 घंटों में लगभग 247.5 मिमी बारिश हुई। कई जगह के वीडियो सामने आए हैं, जिसमें गाडियां आधी से

ज्यादा डूबी हुई दिखीं। कई घरों और रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में भी पानी घुस गया है। शहीद खुदीराम और मैदान मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा रोक दी गई है। हावड़ा में भारी बारिश के कारण रेलवे ट्रैक और दुकानें जलमग्न हो गई। बारिश से दुर्गा पूजा की तैयारियां भी प्रभावित हुई हैं। कई जगह पंडाल डूब गए तो कई खराब हो गए हैं। कोलकाता में कई स्कूलों में भी छुट्टी कर दी गई है। कोलकाता एयरपोर्ट पर कई फ्लाइट्स घंटों की देरी से चल रहे हैं। एयरपोर्ट के टरमैक (पार्किंग एरिया) पर पानी भर गया है। एअर इंडिया और इंडिगो ने पैसेंजर्स के लिए एडवाइजरी जारी है। सडकों पर पानी भरने के कारण यात्रियों को एयरपोर्ट पहुंचने में भी दिक्कत आ रही है।

मोहन सरकार ने नवरात्र पर तीन हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया

15 दिन पहले लिए थे चार हजार करोड़; इस साल 34900 करोड़ का लोन ले चुके

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

आज फिर मोहन सरकार ने रिजर्व बैंक के जरिए तीन हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया है। जिसका भुगतान सरकार को 24 सितम्बर को होगा। मोहन सरकार ने 15 दिन के अंतराल में यह दूसरा कर्ज लिया है। 9 सितम्बर को चार हजार करोड़ रुपए के तीन कर्ज लिए गए थे जबकि आज 1500-1500 करोड़ रुपए के दो कर्ज लिए गए हैं। मोहन सरकार ने मंगलवार को 1500 करोड़ का पहला कर्ज 18 साल के लिए लेने के लिए ऑक्सन प्रक्रिया की है। वहीं दूसरा कर्ज 1500 करोड़ रुपए का 21 साल की अ ?वधि के लिए लिया जा रहा है। दोनों ही कर्ज 3000 करोड़ रुपए के हैं। इस कर्ज के बाद एमपी सरकार पर मौजूदा कर्ज 456640.27 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। इसके पहले यह राशि 453640.27 करोड़ का कर्ज 9 सितम्बर की स्थिति में हो चुका है।

3 बच्चों की मौत, सभी की किडनी फेल:छिंदवाड़ा में 15 दिन से अचानक हो रही मौतें

छिंदवाड़ा नप्र। छिंदवाड़ा में बीते 15 दिन में किडनी फेल होने से तीन बच्चों की मौत हो गई। 9 का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने ICMR की टीम को जांच के लिए बुलाया है। मामला परासिया विकासखंड का है। परिजन के मुताबिक, बच्चों को शुरुआत में हल्का बुखार और जुकाम की शिकायत हुई। निजी अस्पतालों में सामान्य इलाज के दौरान अचानक पेशाब की मात्रा कम होने और किडनी इन्फेक्शन की समस्या सामने आई। हालत बिगड़ने पर बच्चों को नागपुर रेफर किया गया, जहां 5 साल 8 महीने के अदनान खान, 4 साल के हितांश सोनी और 2 साल की श्रेया यादव की मौत हो गई।

मंत्रि-परिषद ने सार्वजनिक निजी भागीदारी से हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की दी स्वीकृति

- 13 स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालयों में सीनियर रेसीडेंट के 354 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से राज्य के भीतर हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की स्वीकृति प्रदान गई है। संपूर्ण प्रदेश के हवाई अड्डों, हैलीपेड एवं हवाई पट्टियों के

बीच निजी ऑपरेटर द्वारा चयनित स्थानों पर हैलीकॉप्टर सेवा प्रदाय की जायेगी।

हैलीकॉप्टर का संचालन तीन सेक्टरों में किया जाएगा। सेक्टर-1 में इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर, गांधीसागर, मंदसौर, नीमच, हनुवंतिया, खंडवा, खरगौन, बुरहानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर, रतलाम, झाबुआ, नलखेड़ा, भोपाल और जबलपुर शामिल होंगे। सेक्टर-2 में भोपाल, मढ़ई, पचमढ़ी, तामिया, छिंदवाड़ा, सांची, इंदौर, दतिया, दमोह, ग्वालियर, शिवपुरी, कूनो (श्योपुर), ओरछा, गुना, राजगढ़, सागर, होशंगाबाद, बैतूल, टीकमगढ़ और जबलपुर शामिल होंगे। सेक्टर-3 में जबलपुर, बांधवगढ़, कान्हा, चित्रकूट, सरसी, परसिली, मैहर, सतना, पन्ना, खजुराहो, कटनी, रीवा, सिंगरौली, अमरकंटक, सिवनी, सीधी, मंडला, पेंच, डिंडौरी, भोपाल और इंदौर के बीच हेलीकाप्टर सेवा का संचालन किया जायेगा। इस सेवा का उद्देश्य प्रमुख शहरों, धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानो और पर्यटक स्थलों के मध्य निजी ऑपरेटर के सहयोग से किफायती एवं स्थायी हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराना है। इस सेवा से यात्रियों, पर्यटकों, व्यवसाइयों, निवेशकों एवं प्रदेश के रहवासियों का प्रदेश में आवागमन सुगम हो सकेगा।

इससे प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक शहरों एवं पर्यटक स्थलों के बीच व्यवसाय एवं पर्यटन गतिविधियों में अभिवृद्धि होगी और रोजगार के नये अवसरों का सृजन भी होगा। मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की 660 मेगावाट की अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई की पुनरीक्षित लागत 11 हजार 476 करोड़ 31 लाख रूपये का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारणी की पुनरीक्षित लागत का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की 660 मेगावाट की सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारणी की पुनरीक्षित लागत 11 हजार 678 करोड़ 74 लाख रुपये का अनुमोदन प्रदान किया गया है। परियोजना का वित्त पोषण 20:80 अंशपूँजी एवं ऋण के अनुपात में किया जायेगा। राज्य शासन द्वारा 20 प्रतिशत अंशपूँजी में से 684 करोड़ 53 लाख रूपये की राशि प्रदान की जायेगी और शेष राशि की व्यवस्था म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा स्वयं के स्त्रोत से की जायेगी। राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 तक प्रदान/आवंटित की गई 431 करोड़ 45 लाख रुपये की राशि के अतिरिक्त शेष राज्यांश वित्तीय वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक की अवधि में 50 करोड़ 62 लाख रूपये विभागीय बजट के माध्यम से प्रत्येक वर्ष म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड को उपलब्ध कराई जायेगी।

अयोध्या में 6 साल बाद भी 8 विभागों ने एनओसी नहीं दी

बाबरी के बदले बनने वाली मस्जिद का नक्शा खारिज, 5 एकड़ जमीन मिली थी

एजेंसी| अयोध्या

अयोध्या में बाबरी मस्जिद की जगह बनने वाली मस्जिद का नक्शा खारिज कर दिया गया है। यह मस्जिद राम मंदिर से करीब 25 किमी दूर है, जो सोहावल तहसील के धन्नीपुर गांव में प्रस्तावित है। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने मस्जिद के लेआउट प्लान को खारिज कर दिया है। कई सरकारी विभागों की ओर से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया था। इसी को आधार बनाकर यह कार्रवाई की गई है। इसका खुलासा एक आरटीआई के जवाब में हुआ है। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर फैसला सुनाया था। हिंदू-मुस्लिम पक्ष को अपने-अपने धार्मिक स्थल बनाने के लिए जमीनें मिलीं। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को पांच एकड़ जमीन दी गई।

3 अगस्त, 2020 को तत्कालीन अयोध्या डीएम अनुज कुमार झा ने अयोध्या के पास धन्नीपुर गांव में पांच एकड़ जमीन सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को ट्रांसफर कर दी। मस्जिद ट्रस्ट ने 23 जून, 2021 को प्रोजेक्ट की मंजूरी के लिए आवेदन किया था। तब से मंजूरी पर कोई अपडेट नहीं आया।

केंद्र सरकार ने सभी मंत्रालयों में दिवाली गिफ्ट्स देने पर लगाई रोक

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्र सरकार ने सभी मंत्रालयों और विभागों में दिवाली और अन्य त्योहारों पर गिफ्ट देने पर रोक लगा दी है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने कहा कि यह एक गैर-जरूरी खर्च है और इसे बंद किया जाना चाहिए। सरकार का कहना है कि त्योहारों पर गिफ्ट देने से सरकारी खर्च बढ़ता है और जनता के संसाधनों का सही तरीके से उपयोग करने के लिए यह कदम उठाना जरूरी है। इससे पहले 17 सितंबर को भारत सरकार के आर्थिक सलाहकार डॉ. सुमंत्र पाल ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसयू) को भी यही निर्देश दिए थे।

ट्रम्प फिर बोले- मैंने भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाई

कहा- दुनिया में 7 जंग रोकने की जिम्मेदारी यूएन की थी; लेकिन यह काम मुझे करना पड़ा

एजेंसी| वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित कर रहे हैं। ट्रम्प ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि टेलीप्रॉम्प्टर काम नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि कोई दिक्कत नहीं है, इस तरह आप दिल से बात कर पाते हैं। ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 2020 में आखिरी बार राष्ट्रपति रहते यूएन को संबोधित किया था। ट्रम्प के भाषण एजेंडे में रूस-यूक्रेन जंग, गाजा वॉर और वैश्विक संगठनों की कार्यशैली समेत 6 प्रमुख मुद्दे शामिल हैं। वे अपनी सरकार की उपलब्धियों के बारे में भी बात करेंगे। व्हाइट हाउस ने आज सुबह बताया था कि ट्रम्प अपने भाषण में वैश्विक संगठनों की आलोचना करेंगे और बताएंगे कि ये संगठन कैसे ग्लोबल ऑर्डर को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

यूरोपीय देश रूस से तेल खरीद कर सही नहीं कर रहे

ट्रम्प ने रूस से तेल और गैस खरीदने के लिए यूरोपीय देशों की आलोचना की। उन्होंने कहा, वे जो कर रहे हैं, वह सही नहीं है। वे रूस से तेल और गैस ले रहे हैं जबकि रूस से लड़ाई चल रही है। ट्रम्प ने कहा कि यूरोपीय देशों को रूस से खरीदारी रोकनी होगी, वरना जंग रोकने की हर कोशिश बर्बाद होगी। ट्रम्प ने कहा कि भाषण के बाद वे यूरोपीय नेताओं के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

संपाकीय

इस टकराव में जनता का भरोसा न टूट जाए

पारदर्शिता लोकतंत्र का जीवन है। जनता की ओर से प्रश्न उठना भी लोकतंत्र में एक स्वाभाविक और जरूरी प्रक्रिया है। साथ ही संदेहों और सवालों के जवाब अगर समय पर सामने आ जाएं, तो इससे देश में लोकतांत्रिक जड़ें मजबूत ही होंगी। मगर कई बार राजनीतिक उठा-पटक के बीच धुंध जब ज्यादा गहरी हो जाती है, तब विश्वास का संकट खड़ा होने की आशंका उपजती है।इस लिहाज से देखें तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से पिछले कुछ समय से मतदाता सूची में हेरफेर को लेकर जिस तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं, वे अब बहस का मुद्दा बन चुके हैं और आम लोगों के सामने एक तरह के ऊहापोह की स्थिति बनती जा रही है। ऐसे में जरूरी यह है कि चुनाव आयोग अपने स्तर पर सामने आकर इससे उपजे सभी तरह के संदेहों को दूर करे, ताकि मतदान की प्रक्रिया को लेकर विश्वसनीयता का संकट खत्म हो।गौरतलब है कि गुरुवार को राहुल गांधी ने एक बार फिर मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने को लेकर सवाल उठाया और कर्नाटक में आलंद निर्वाचन क्षेत्र का हवाला देते हुए कहा कि वहां किसी ने गलत तरीके से 6,018 वोट हटाने की कोशिश की। मगर इस क्रम में चूंकि खुद बूथ-स्तरीय अधिकारी के संबंधी का वोट भी हट गया था, इसलिए उसकी जांच के बाद सिरे खुलते गए, जो बेहद चिंताजनक थे।महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में भी ऐसा ही मामला देखा गया। जाहिर है, मतदाता सूची से वैध मतदाताओं का नाम हटाने का यह आरोप बेहद गंभीर है और इसकी व्यापक जांच होनी चाहिए। मगर इस मसले पर निर्वाचन आयोग की ओर से फिर से एक संक्षिप्त जवाब आया कि इस तरह मतदाताओं का नाम हटाने को लेकर लगाए गए आरोप गलत और आधारहीन हैं।कुछ समय पहले भी जब राहुल गांधी ने कर्नाटक में ही फर्जी मतदाताओं को सूची में जोड़ने का आरोप लगाया था, तब भी मुख्य चुनाव आयुक्त ने उसे खारिज कर दिया था। सवाल है कि मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम फर्जी तरीके से जोड़ने या फिर हटाने के इस समूचे मामले को अब जिस तरह देखा जा रहा है, क्या आयोग के संक्षिप्त जवाब से इससे संबंधित आशंकाओं का निराकरण हो सकता है ! दरअसल, जरूरत इस बात की है कि निर्वाचन आयोग इस मामले की व्यापक और निष्पक्ष जांच करा कर इससे संबंधित तथ्य जनता को उपलब्ध कराए, ताकि आम लोगों का विश्वास लोकतंत्र को मजबूती देने की प्रक्रिया में बना रहे।विडंबना यह है कि संविधान में जिस मतदान के जरिए लोकतंत्र को सुरक्षित रखने की ठोस व्यवस्था की गई है, उसे सुनिश्चित करने के लिए तैयार होने वाली मतदाता सूची में गड़बड़ी के इतने गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं और उस पर कोई स्पष्टता कायम होने के बजाय यह सवाल महज राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के दुश्चक्र में उलझता दिख रहा है।इसी तरह, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भी आयोग के रुख पर सवाल उठ चुके हैं।

राष्ट्र सेवा, मानव सेवा, अहिंसा और समाजवाद के परिपूर्ण कर्ता रहे महाराज अग्रसेन

आज से लगभग 5150 वर्ष पूर्व उनका जन्म आश्विन शुक्ल प्रथम के दिन हुआ था। उनके पिता सूर्यवंशी क्षत्रिय और राजा धनपाल की छठी पीढ़ी में थे। अग्रसेन की माता का नाम माधवी था, जो नागवंशी परिवार से आई थी। कहा जाता है कि उसके नागवंशी परिवार से सूर्यवंशियों में आई माधवी के कारण दोनों संस्कृतियों के बीच गहन संपर्क संबंध बने। अग्रसेन बाल्य काल से ही कुशाग्र तीक्षण बुद्धि तथा दयालु स्वभाव के थे। उनकी शिक्षा दीक्षा तांडव ऋषि के आश्रम में हुई थी और उनकी लोकप्रियता जन सहयोग के भावना एवं व्यवहार के चलते ही प्रजा के बीच बनी थी।

सांवरमल अग्रवाल

शांति दूत, समतामूलक समाज के संस्थापक, अहिंसा के पुजारी महाराज अग्रसेन का जन्म प्रताप नगर के राजा वल्लभ के यहां हुआ था। वे अपने परिवार के छठे पुत्र थे। यह काल महालक्ष्मी व्रत का एवं किंवदंतियों के अनुसार द्वापर का अंतिम चरण रहा था। आज से लगभग 5150 वर्ष पूर्व उनका जन्म आश्विन शुक्ल प्रथम के दिन हुआ था। उनके पिता सूर्यवंशी क्षत्रिय और राजा धनपाल की छठी पीढ़ी में थे। अग्रसेन की माता का नाम माधवी था, जो नागवंशी परिवार से आई थी। कहा जाता है कि उसके नागवंशी परिवार से सूर्यवंशियों में आई माधवी के कारण दोनों संस्कृतियों के बीच गहन संपर्क संबंध बने। अग्रसेन बाल्य काल से ही कुशाग्र तीक्षण बुद्धि तथा दयालु स्वभाव के थे। उनकी शिक्षा दीक्षा तांडव ऋ षि के आश्रम में हुई थी और उनकी लोकप्रियता जन सहयोग के भावना एवं व्यवहार के चलते ही प्रजा के बीच बनी थी। प्रजा के हृदय में उनके प्रति काफी प्यार व सम्मान था। उनका विवाह नागवंशी कन्या से होने के कारण दो संस्कृतियों सूर्यवंश और नाग वंश का मिलन हुआ था। इन दो संस्कृतियों के मिलन से देवराज इंद्र अग्रसेन से बहुत नाराज हुए थे और इस नाराजगी का बदला लेने के लिए देवराज इंद्र ने अग्रसेन के राज में वर्षा नहीं होने दी, परिणाम स्वरूप प्रताप नगर में भारी अकाल पड़ा। अग्रसेन ने इस विपदा का सामना किया, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो पाए। तब जाकर अग्रसेन ने अपनी कुलदेवी महालक्ष्मी की आराधना तप तपस्या पूजा पाठ कर महालक्ष्मी से वरदान पाया कि इंद्र उनके राज्य को कोई हानि नहीं पहुंचा सकेंगे। महालक्ष्मी ने कहा कि कोलपुर के राजा महिधर की कन्या सुंदरवती से विवाह करो, इससे तुम्हारे राज्य में सुख शांति व समृद्धि आएगी।

कुलदेवी के द्वारा प्राप्त संदेश को आत्मसात कर महाराजा अग्रसेन कोलपुर पहुंचे, उस समय वहां पर सुंदरवती के विवाह के स्वयंवर की तैयारी चल रही थी। वह उस स्वयंवर में शामिल हुए। इस स्वयंवर में इंद्रदेव के अलावे अन्य राजा भी आए थे अग्रसेन के गले में माला डालकर सुंदरवार ने उन्हें वर्णन कर लिया इस पर इंद्रदेव नाराज होकर वहां से चले गए अग्रसेन ने सुंदरवती से विवाह किया और अपने राज्य लौट आए। इसके बाद अग्रसेन के राज्य की शक्ति में वृद्धि होने लगी। इंद्रदेव ने अग्रसेन से बदला लेने की इच्छा को त्याग कर उनसे दोस्ती करने का निर्णय लिया देवराज नारद जी इंद्र के प्रस्ताव को लेकर अग्रसेन के पास पहुंचे नारद जी द्वारा देवराज के द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए इंद्र को गले लगा लिया इंद्र राज इससे खुश होकर महाराज अग्रसेन के दरबार की शुभाबढाने के लिए मधुशालिनी नामक अप्सरा की भेंट की। महाराज अग्रसेन ने मां लक्ष्मी के कवच को पहन कर पूरे राज्य का भ्रमण किया और अपने राज्य पहुंचकर राज्य की स्थापना की नगर का नाम अग्रोहा रखा गया। महाराजा अग्रसेन जन उपयोगी कार्यों, विकास कार्यों से प्रभावित होकर उनके राज्य के आसपास के राज्यों में से लोग वहां जाकर बसने लगे। देखते ही देखते अग्रोहा समृद्धि साली नगर बन गया। महाराज अग्रसेन ने अपने राज्य में समतामूलक समाजवाद का अनूठा शासन प्रारंभ किया। इस प्रयास से उनके राज्य में गरीब- अमीर, उंच- नीच के बीच

की खाई खत्म हो गई और वह पूजनीय इस कारण से हुए कि उन्होंने समय की मांग को ध्यान में रखकर अहिंसा, जीव हत्या, समानता के मंत्र को शासन का आधार बनाकर राजकाज के कार्यों में प्रमुखता दी। अग्रसेन के इन आधारों को आज भारत ही नहीं विश्व के देश के देशों में सरकारे चलाने की ओर ध्यान दे रही है। महाराजा अग्रसेन ने अपने राज्य में 18 महायज्ञ करवाए, 18 यज्ञ में राजकुमारों के साथ बैठे ऋषि मुनियों(गुरुओं) के नाम पर 18 गोत्रों की स्थापना की गई। यही गोत्र आज अग्रवालों की गीता के 18 अध्याय के समान अलग-अलग रहते हुए एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। महाराजा अग्रसेन ने यज्ञ में बलि प्रथा को समाप्त कर अहिंसा का संदेश भी दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अहिंसा को बंद करने का अर्थ यह नहीं है कि हम अपने राज्य का समाज मानवता की रक्षा नहीं कर सकेंगे। इस संदेश के बाद अग्रसेन ने अग्रोहा वासियों को यह संदेश दिया कि इस धरा पर निवास करने वालों और यहां पर रहने के लिए आने वाले साधनहीन, कमजोर, लाचार, गरीब लोगों को एक ईट, एक 1 रेट स्वरूप देने की प्रथा का प्रारंभ किया और कहा कि यह व्यवस्था सबको बराबरी का हक देगा और लोग सम्मान के साथ जीवन यापन कर सकेंगे। महाराजा अग्रसेन की इस व्यवस्था से बढ़ रही समृद्धि से राज्य के आसपास के लोगों के द्वारा आए दिन हो रहे आक्रमणों के चलते शांति क्षिन हुई शासन व्यवस्था चरमरा ने लगी इसी दौरान इशा से पूर्व चौथी शताब्दी में विश्व विजेता सिकंदर ने पहली बार अग्रोहा पर आक्रमण कर कर दिया एक योजनाबद्ध तरीके से संपूर्ण अग्रोहा को आक्रमणकारियो द्वारा आग लगाकर नगर को में आक्रमण कार्यों द्वारा आग के हवाले कर दिया गया। भीषण आग बाद में अग्रोहावासी देश के विभिन्न क्षेत्रों में फैल गए। अग्रोहा से निकले लोग भारत ही नहीं विश्व के अन्य देशों में जाकर बस गए। वे आज भी अग्रवाल कहलाते हैं। भारत में अग्रसेन के 18 जनपदों के ऋषियों के नाम पर गठित गोत्रों के अधीन रहकर अग्रसेन की कृति फैला रहे हैं। महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों के अनुसार आज भी अग्रवालों ने जन सेवा, देश सेवा, मानव सेवा, सभ्यता- संस्कृति के उत्थान संस्कारों को संरक्षण करने में अन्य समुदाय से आगे हैं। महाभारत में अग्र गणराज्य का उल्लेख उस समय के अन्य गण राज्यों के साथ मिलता है। वैश्यम्पायन जी राजा जनमेजय को वन पर्व घोष यात्रा कख वर्णन सुनाते हुए कहते हैं भद्रान रोहितकाश्रचवै आग्रेयन मालवानपि गणन सर्वा विनिर्जित्य नीतिकृत प्रहसन्निव (आ प्र 254/20)। इसमें भद्र रोहितक अग्र और मानव जनपदों के नाम आए हैं पाणिनका का काल में ईसा पूर्व 500 है उनकी अष्टाध्याई से तात्कालिक समाज एवं राजनीतिक संगठनों का सम्यक ज्ञान होता है।डॉक्टर वासुदेव शरण अग्रवाल ने अपने ग्रंथ पाणिनि कालीन भारतवर्ष में इस विषय की चर्चा की गई है जिसमें 6 वन के नाम का पढ़े गए पुरागावण, मिश्रकावण, सिधकावण, सारिकावण और अग्रेवण वर्तमान अग्रोहा थी। ये स्थित वन का नाम था, जिनका वर्णन डॉक्टर पीसी बागची रचित ज्योग्राफिकल कैटलॉग आफ दि यलयाज द महामायुरी साईनो इंडिया स्टडीज खण्ड - 3पृष्ठ (42) पर भी मिलती है। महाभारत में अग्र जनपद का वर्णन और 18 की संख्या का सम्यक क्या हमें द्वापर तक नहीं ले जाता? महाभारत काल में निश्चय की ही अग्रजनप और वहां निवास करने वालों की अपनी पहचान बन गई थी। सन 1720 में प्रकाशित मेडार टाड, अकाउंट आफ ग्रीक पर्शियन एण्ड हिन्दू मेडल्स ट्रांजैक्शन आफ द रॉयल एशियाटिक सोसायटी में किटस कार्टिअस द्वारा वर्णित अग्रेसेन को ही वर्तमान अग्रोहा बताया है। इसके अनुसार अग्रसेन की शौर्य की ख्याति ने अगजेण्डर की सेना को आगे बढ़ने से रोक दिया था। यूनानी इतिहासकार डायोडोरस के अनुसार सिकंदर ने अग्रोहा पर आक्रमण करने के बाद उसे जला दिया था। हिसार डिस्ट्रिक्ट गजेटेड प्रीस्ट संख्या 150 पर यह सूचना अंकित है जिसके अनुसार तोमर के राजा ने अग्रोहा तथा उसके सीमावर्ती क्षेत्रों पर विजय प्राप्त कर अपने राज्य में मिल लिया था। अग्रोहा– हरियाणा राज्य के हिसार नगर से 20 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में स्थित अग्रोहा किसी समय आती समृद्धि शैली नगर था काल के थप्पड़ों ने उसे उजाड़ दिया वर्तमान अग्रोहा प्राचीन अग्रोहा से एक दो किमी दूर बसा है। यहां की खुदाई पहले होई है। सब से पहले अग्रोहा के खंडहरों की खुदाई 1888 89 में हुई थी इस खुदाई में यह जानकारी मिल गई थी कि अग्रोहा प्राचीन समय में वैभवशाली गणराज्य था अग्रोहा की खुदाई के दौरान मिले अनेक सिक्कों पर अग्राहे आगाच्य जनपद लिखा हुआ है जो आज उच्चारण वेद से अग्रोहा बन गया है इन सिक्कों पर अंकित भाषा प्रकृति है सिक्कों का काल ईसा पूर्व 200 वर्ष से तीसरी सदी तक का है जब तक टिलो की खुदाई में नया तथ्य सामने नहीं आ जाता तब तक यह निश्चित है कि पाणिनि के अनुसार ई पू 500 से अग्रजनप की स्थिति थी दूसरी ओर सिक्को से अग्रजनप का काल गुप्त काल से पूर्व का प्रमाणित होता है।

अग्रवालः अग्रवाल जाति के इतिहास को याद किया जाए तो यह ज्ञात होता है कि समय-समय पर इस समाज की विभूतियों ने भारत के राजतंत्र वह लोकतंत्र में महत्व पूर्ण भूमिका निभाई है। महाराजा अग्रसेन, गुप्त तथा वर्धन सम्राटों के भारतीय राजतंत्र में महत्वपूर्ण कार्यकर देश को स्वर्ण युग प्रदान किया। मुगल सम्राट अकबर के दरबार में मधु शाह महापुरुष थे। वे अग्रवाल थे और उनके नाम पर मधु सही पैसा सिक्का प्रचलित था। आज जिस लोकतंत्र की बात करते हैं वह आज से 5000 वर्ष पूर्व अग्रोहा गणराज्य के रूप में जीवित था। जिस अहिंसा की दुहाई हम दे रहे हैं उसका प्रारंभ युगों में बलि प्रथा को समाप्त कर दिया गया था, उनके संस्थापक थे महाराजा अग्रसेन मुस्लिम काल में हेमचंद टोडरमल नॉर्मल राजा रतन चंद्र ने अपनी शासकीय प्रतिभा का परिचय दिया था। एक सदी पूर्व के आधुनिक हिंदी के प्रणेता भारतेंदु हरिश्चंद्र को भी भुलाया नहीं जा सकता भारतवर्ष के स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा का महात्मा गांधी के अनुयाई पंजाब केसरी लाला लाजपत राय, भारत रत्न डॉक्टर भगवान दास, देश बंधु गुप्त जमनालाल बजाज जैसे अनेक अग्रवाल देशभक्तों ने अपना सहयोग दिया। स्वतंत्रता में भी घनश्याम अग्रवाल डॉक्टर श्री युक्त श्री नारायण राज शिव प्रसाद, डॉक्टर आत्माराम, डॉक्टर वासुदेव शरण महापुरुषों ने भारतीय राजनीतिक में भारी योगदान रहा है। डॉ राममनोहर लोहिया, डॉ रघुवीर आदि अनेक महापुरुषों ने लोकतंत्र की राजनीति में प्रशंसनीय कार्य किये। यह सभी अग्रकुल के एवं भारतीय राष्ट्र के गौरव रहें हैं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार सह भाजपा के पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी)

नियम-कायदों की अनदेखी से एम्बुलेंस सेवाएं बन रहीं जानलेवा

हंसराज चौरसिया

आज की तेजी से बदलती जीवनशैली और बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं के दौर में एम्बुलेंस सेवाएं हमारी जीवनरेखा बन चुकी हैं। कोई भी गंभीर स्वास्थ्य आपातकाल चाहे वह दिल का दौरा हो, सड़क हादसा हो, या किसी अन्य आकस्मिक चोट वास्तव में समय की लड़ाई होती है। ऐसे समय में एम्बुलेंस का महत्व अत्यंत बढ़ जाता है, क्योंकि यह केवल मरीज को अस्पताल तक पहुंचाने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच का पुल बन जाती है। लेकिन जब यही एम्बुलेंस सेवा, जो जीवन बचाने के लिए बनी थी, खुद खतरे का कारण बन जाए, तो यह समाज के लिए गंभीर चुनौती बन जाती है। यह विडम्बना तब उत्पन्न होती है, जब नियम-कायदों की अनदेखी और लापरवाही के चलते ये सेवाएं मरीज और अन्य लोगों दोनों के लिए जानलेवा साबित होती हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एम्बुलेंस सेवाओं की भूमिका तेजी से बढ़ी है। बड़े शहरों में रात-दिन दौड़ती एम्बुलेंसें, जिनमें हर उपकरण उपलब्ध होने का दावा होता है, कई बार सिर्फ दिखावे तक सीमित रह जाती हैं। उन्हें चलाने वाले चालक नियमों का उल्लंघन करते हैं, वाहन के रख-रखाव में लापरवाही होती है, और मरीज को ले जाने के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी होती है। इसका परिणाम यह होता है कि मरीज की जान को बचाने के बजाय जोखिम में डाल दिया जाता है। हमारे देश में कई बार ऐसी घटनाएं देखने को मिली हैं जहां एम्बुलेंस दुर्घटना का शिकार हो गई, जिससे मरीज की मृत्यु हो गई या हालत और बिगड़ गई। इन घटनाओं की प्रमुख वजह हमेशा नियमों का पालन न करना रही है। चालक अधिक गति से वाहन चलाते हैं, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करते हैं, और अक्सर वाहन खराब स्थिति में होते हैं। यह केवल चालक की लापरवाही नहीं, बल्कि व्यवस्थापकों और नियामक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे सुनिश्चित करें कि एम्बुलेंस सेवाएं सुरक्षित और प्रभावी हों। कई बार निजी एम्बुलेंस संचालक लाभ कमाने के लिए मरीज की सुरक्षा को नजरअंदाज कर देते हैं। रात में खराब सड़क पर, बिना किसी सुरक्षा उपकरण या प्रशिक्षित स्टाफ के मरीज को अस्पताल पहुंचाने का जोखिम किसी भी समय घातक साबित हो सकता है। कभी-कभी यह देखा गया है कि एम्बुलेंस चालक सिर्फ तेजी में दौड़ते हैं और जीवन रक्षक उपकरणों की जांच तक नहीं करते। ऐसे हालात में मरीज को अस्पताल तक पहुंचाने का प्रयास जीवन संकट में बदल जाता है। इसके अलावा, प्रशासनिक स्तर पर भी नियमों का पालन सुनिश्चित करने में कई खामियां हैं। कई शहरों में एम्बुलेंस सेवाओं के लाइसेंस और निरीक्षण की प्रक्रिया इतनी ढीली होती है कि संचालन में लापरवाही को रोकना मुश्किल हो जाता है। यह एक गंभीर प्रश्न है कि क्या हमारे पास ऐसे तंत्र हैं जो नियमित निरीक्षण कर सकें और नियमों के उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई कर सकें। जब हम स्वास्थ्य क्षेत्र में एम्बुलेंस सेवाओं की स्थिति पर ध्यान देते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि केवल वाहन और चालक की बात ही नहीं, बल्कि प्रशिक्षण, चिकित्सा उपकरण, और मरीज के साथ व्यवहार की गुणवत्ता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। एम्बुलेंस चालक न केवल वाहन चलाने के प्रशिक्षित होने चाहिए, बल्कि आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा देने में सक्षम भी होने चाहिए। किसी मरीज के जीवन और मौत के बीच की क्षणभंगुर स्थिति में यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होता है।दुर्भाग्यवश, हमारे देश में प्रशिक्षण और योग्यता की अनदेखी की जाती है। कई बार चालक केवल ड्राइविंग लाइसेंस के आधार पर ही काम कर रहे होते हैं, जबकि उन्हें कार्डियो पल्मोनरी रेस्क्यू, प्राथमिक चिकित्सा और अन्य आपातकालीन प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित होना चाहिए। इस कमी के कारण, कभी-कभी मरीज अस्पताल पहुंचने तक ही नहीं टिक पाते। सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी भी एम्बुलेंस सेवा को जोखिम में डालती है। तेज रफ्तार, लाल बत्ती की अवहेलना, ओवरटेकिंग और अनुचित ड्राइविंग ऐसी घटनाओं में योगदान देती हैं। एम्बुलेंस केवल मरीज को जल्दी पहुंचाने का साधन नहीं है, यह एक जिम्मेदारी भी है कि अन्य यात्रियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाए।यहां तक कि तकनीकी पहलुओं में भी खामियां देखी जा सकती हैं। कई एम्बुलेंस में जीवन रक्षक उपकरण या तो खराब हालत में होते हैं या उन्हें नियमित रूप से जांचा नहीं जाता। कभी-कभी ऑक्सीजन सिलेंडर, हार्ट मॉनिटर, और अन्य आवश्यक उपकरण सही ढंग से काम नहीं कर रहे होते, जिससे मरीज की स्थिति बिगड़ सकती है।

जीएसटी 2.0 नई कर नीति और अर्थव्यवस्था को नई धार

भारत की कर प्रणाली की यात्रा हमेशा सरलीकरण और दक्षता, विकास और समानता के बीच संतुलन खोजने की रही है। एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का विचार सबसे पहले 1985 में वित्त मंत्री वी. पी. सिंह द्वारा रखा गया था। अगले ही वर्ष संशोधित मूल्य वर्धित कर शुरू किया गया, लेकिन यह अधूरा प्रयोग ही साबित हुआ। 1991 के भुगतान संकट ने इस बहस को फिर जगा दिया, जब भारत के आईएमएफ और विश्व बैंक के साथ हुए समझौतों ने व्यापक वैट की ओर धकेला। फिर भी प्रगति धीमी रही। अंततः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2017 में %वन नेशन, वन टैक्स' की दृष्टि के साथ जीएसटी सचमुच लागू हुआ, जिसने भारत की अप्रत्यक्ष कर संरचना को एकीकृत किया और खंडित बाजार को जोड़ा। यह पहला बड़ा कदम था। आठ साल बाद, जीएसटी 2.0 अगला कदम है दरों से छेड़छाड़ नहीं, बल्कि संरचनात्मक पुनर्गठन, जिसका उद्देश्य है घरेलू चिंताओं को कम करना, छोटे व्यवसायों को सहारा देना और एक युवा, उपभोग-प्रधान अर्थव्यवस्था की आकांक्षाओं के अनुरूप होना।

जीएसटी 2.0 का सबसे उल्लेखनीय पहलू इसका जन-केंद्रित दृष्टिकोण है। भोजन, स्वास्थ्य और शिक्षा पर बढ़ते खर्चों से जूझ रहे परिवारों के लिए मक्खन, नमकीन, शिशु उत्पादों और टॉयलेट्रीज जैसी आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी को घटाकर सिर्फ 5 प्रतिशत करना केवल एक लेखा निर्णय नहीं है। यह परिवारों पर पड़ रहे दैनिक दबावों की स्वीकृति है और वित्तीय सहानुभूति का संकेत है। इससे भी अधिक ऐतिहासिक कदम है स्वास्थ्य और जीवन बीमा को शून्य-रेटिंग देना। वर्षों तक वित्तीय सुरक्षा को टाला जाता रहा जब तक कोई संकट न आ जाए अब, लाखों परिवारों को बिना अतिरिक्त कर के खुद को सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ ही, जीवन-रक्षक दवाइयों और मेडिकल उपकरणों-जैसे उन्नत कैंसर उपचार और डायग्नोस्टिक रिएजेंट्स को कर-मुक्त कर दिया गया है। संदेश स्पष्ट है- जनस्वास्थ्य कोई परिधीय चिंता नहीं बल्कि राजकोषीय नीति की मूल प्राथमिकता है। ज्यादातर मामलों में, जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर सिर्फ 5फीसदी कर दिया गया है, जिससे आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं कहीं अधिक सुलभ होंगी।

यह भावना भारत के गांवों और दिल की धड़कनों तक भी पहुंचती है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, सिंचाई उपकरण और उर्वरकों पर जीएसटी घटाकर 5फीसदी करना किसानों की लागत को सौधे तौर पर कम करता है। बघेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां खेती केवल रोजगार नहीं बल्कि अनिश्चित बरसातों के खिलाफ एक दांव होती है, यह सुधार सच्चा राहत देता है। और अधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि यह परिवर्तन का दरवाज़ा खोलता है। सस्ते इनपुट्स, बेहतर ऋण और सिंचाई के साथ, आजीविका आधारित खेती धीरे-धीरे अधिशेष-आधारित, बाज़ार-उन्मुख कृषि में बदल सकती

है।

यह सुधार उस उपभोग प्रोत्साहन को भी प्रदान करता है जिसकी अर्थव्यवस्था को इस समय जरूरत है। दोपहिया वाहन, सीमेंट, टीवी और एयर कंडीशनर जैसी वस्तुओं पर शीर्ष जीएसटी स्लैब को 28त्न से घटाकर 18 फीसदी किया गया है-जो अब विलासिता नहीं, बल्कि आकांक्षात्मक आवश्यकताएं बन चुकी हैं। इस कदम से ठप पड़े आवासीय प्रोजेक्ट्स को फिर गति मिलेगी, ऑटोमोबाइल बिक्री में वृद्धि होगी और विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ेंगे। साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों पर जीएसटी में कटौती एक सूक्ष्म लेकिन शक्तिशाली कदम है, जो सुनिश्चित करता है कि विकास सत्ता से जुड़े और भारत की हरित महत्वाकांक्षाएं मजबूत हों।

जीएसटी 2.0 का सबसे समयानुकूल पहलू यह है कि यह वैश्विक चुनौतियों से रक्षा कवच का काम करेगा। जैसे ही अमेरिका भारतीय निर्यातों पर शुल्क बढ़ाता है, बाहरी मांग में अस्थिरता आती है। लेकिन इस सुधार की वजह से भारत इस झटके को झेलने की बेहतर स्थिति में है। कम करों से घरेलू उपभोग को बल मिलेगा, जो पहले से ही जीडीपी का लगभग 61 फीसदी है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इनपुट लागत दबाव और प्रक्रियागत बाधाओं से मुक्त होकर घरेलू बाज़ार में प्रतिस्पर्धी बने रह सकते हैं, भले ही विदेशी बाज़ार कठिन हों। और अनुमानित 0.5-1 फीसदी वार्षिक जीडीपी वृद्धि वैश्विक व्यवधानों से होने वाले नुकसान की भरपाई करेगी। निवेशक-घरेलू और वैश्विक दोनों इसे इस संकेत के रूप में देखेंगे कि भारत आंतरिक बाज़ार को मजबूत करते हुए सुधार जारी रख रहा है।

इसके प्रभाव व्यापक हैं। अर्थशास्त्री अनुमान लगाते हैं कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की लगभग 8.5 फीसदी टोकरी पर जीएसटी 2.0 का सीधा असर है, जिससे इसे स्पष्ट रूप से मुद्रास्फीति-रोधी चरित्र मिलता है। परिवारों के हाथ में अधिक खर्च योग्य आय आने से उच्च उपभोग, बढ़ा हुआ उत्पादन और नए रोज़गार का शुभ चक्र शुरू होगा। बीमा पैठ, जो भारत में ऐतिहासिक रूप से कम रही है, अब प्रीमियम किफायती होने से बढ़ेगी। निर्यातकों को रिफंड संबंधी बाधाओं से मुक्त कर प्रतिस्पर्धात्मकता वापस मिलेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात, एक सुव्यवस्थित दो-दर संरचना-5 प्रतिशत और 18फीसदी (हानिकारक या विलासिता वस्तुओं के लिए दंडात्मक दर) भारत की कर प्रणाली को अधिक तार्किक, अनुमानित और वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय बनाएगी।

अंततः जीएसटी 2.0 को परिभाषित करता है उसका आर्थिक तर्क और सामाजिक संवेदनशीलता का मेल। यह घरेलू दबावों को पहचानता है, किसानों को सशक्त करता है, उद्यमियों पर विश्वास जताता है और अंत्योदय की भावना के अनुरूप यह सुनिश्चित करता है कि अंतिम पंक्ति का लाभार्थी पीछे न छूटे। यहां कर केवल संग्रह का उपकरण नहीं बल्कि न्याय का साधन है। यह राज्य और नागरिकों के रिश्ते को मानवीय बनाता है, उसे कर-संग्राहक से सहायक, राजस्व एकत्र से विकास-सहयोगी में बदल देता है। 2017 के जीएसटी से लेकर 2025 के जीएसटी 2.0 तक की यात्रा हमारे राजकोषीय लोकतंत्र की परिपक्वता दर्शाती है। पहला सुधार खंडित व्यवस्था को एकीकृत करता था। दूसरा उसे मानवीय बनाता है। यदि इसे ईमानदारी से लागू किया गया और व्यवसायों ने लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाए तो जीएसटी 2.0 एक ऐसा सुधार कहलाएगा जो लाएगा जो मुद्रास्फीति कम करता है, औपचारिकता बढ़ाता है, परिवारों को सशक्त करता है, निवेश आकर्षित करता है और वैश्विक उथल-पुथल से अर्थव्यवस्था को बचाता है।

(लेखक -गणेश सिंह सतना लोकसभा संसदीय क्षेत्र के 5 बार के सांसद है।)

सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट बनाएगा सीजीबीएम वाली सडकें

खराब और गड्ढों वाली सडकों से जल्द मिलेगा छुटकारा

भोपाल। जल भराव के कारण बार-बार खराब होने वाली सडकों से निजात पाने के लिए अब सीमेंट ग्राउटेड बिटुमिनस मिक्स (सीजीबीएम) तकनीक से मध्य प्रदेश में सडक बनाने पर विचार किया जा रहा है। इस नई तकनीक से बनने वाली सडकों पर लगातार पानी बहने के बाद भी यह खराब नहीं होती, साथ ही उच्च तापमान और ट्रैफिक का भारी दबाव झेलने में भी यह सक्षम होती हैं। इस तकनीक से गुजरात के सूरत में बनाई गई सडक बारिश के 8

सीजन झेल चुकी है, लेकिन अब तक तस की तस है। सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट ने नगरीय क्षेत्रों की सडकों के लिए नगरीय प्रशासन विभाग को अपना प्रजेंटेशन दिया है। सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट के क्वालिटी मैनेजमेंट के एचओडी और चीफ साइंटिस्ट मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि आमतौर पर बिटोमिन यानी डामर की सडकें बनाई जाती हैं, लेकिन बारिश के मौसम में डामर एग्रीगेट को छोड़ देता है, जिससे सडक पर गड्ढे हो जाते हैं। वहीं कंक्रीट की सडक बनाने की बात होती है, लेकिन इसकी थिकनेस ज्यादा होती है और इसके लिए करीबन 28 दिन तक क्योरिंग करनी होती है, लेकिन सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट ने सीमेंट ग्राउटेड बिटुमिंस मिस्क तकनीक तैयार की है। इसमें अगर बिटुमिंस लेयर को पोरस लेयर बनाकर उसकी ग्राउटेड कर दें, सिमेंटीसिस मटेरियल से तो वह सडक बहुत टिकाउ हो जाती है। इस पर पानी भराव का कोई असर नहीं होता। इस तरह से देश के अलग-अलग क्षेत्र के अलग-अलग कंडीशन्स के लिए सडक बनाई हैं। जैसा जहां बहुत ज्यादा तापमान होता है, जहां ट्रैफिक का बहुत दबाव होता है, जहां सर्दी ज्यादा होती है।

40 एमएम की बिछाई जाती है लेयर

सीमेंट ग्राउटेड बिटुमिनस मिक्स तकनीक टॉप सरफेस कोर्स के लिए होती है। मनोज कुमार शुक्ला बताते हैं कि इस तकनीक के रिजल्ट को देखते हुए इंडियन रोड कांग्रेस ने भी इसे मान्यता दी है और इसका कोड बनाया है। साथ ही इसके लिए गाइडलाइन भी बना दी है। अर्बन रोड के लिए इसका सफल परीक्षण हो चुका है। हालांकि यह डामर की सडक से महंगी पड़ती है। सडक की टॉप सरफेस पर डामर की 40 एमएम की लेयर बिछाने में यदि 100 रुपए का खर्च आता है, तो इस तकनीक में करीबन 125 रुपए का खर्च आता है। वे बताते हैं कि जल्द ही इस तकनीक में आगे और प्रयोग करने की तैयारी की जा रही है। हम इस तकनीक को कोल्ड मिक्स प्रोसेस से भी विकसित करना चाह रहे हैं, ताकि इमल्शन के साथ इसका उपयोग किया जा सके। इससे यह और टिकाऊ हो सकती है।

अभी तीन तकनीक से बन रही सडकें

प्रदेश में अभी सीमेंट ग्राउटेड बिटुमिनस मिक्स तकनीक का उपयोग सडक निर्माण में नहीं हो रहा। प्रदेश में सडक निर्माण में तीन तकनीकों का उपयोग हो रहा है। कंसल्टेंट आशीष पाठक बताते हैं कि प्रदेश में अभी थिन व्हाइट टॉपिंग तकनीक, बेस्ट प्लास्टिक तकनीक और कोल्ड मिक्स तकनीक का ही उपयोग हो रहा है। व्हाइट टॉपिंग तकनीक का उपयोग कर पीडब्ल्यूडी 475 किलोमीटर सडक बना रहा है। प्रदेश के आगर मालवा, गुना, बैतूल में इस तकनीक से सडक बनी है। नगरीय प्रशासन विभाग के कमिश्नर संकेत भौंडवे बताते हैं कि नगरीय क्षेत्रों की सडकें अच्छे और टिकाऊ बने, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सडकों के निर्माण की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार नए प्रयास किए जा रहे हैं।

नियामक आयोग ने बिजली कंपनियों को दी राहत

मप्र में अब 2028 तक लगेंगे प्री-पेड स्मार्ट मीटर

भोपाल। मप्र में इनदिनों बिजली उपभोक्तओं के यहां प्री-पेड स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर लगाए जाने की धीमी प्रक्रिया को देखते हुए बिजली कंपनियों ने समय सीमा बढ़ाने की मांग मप्र विद्युत नियामक आयोग से की थी। नियामक आयोग ने बिजली कंपनियों की मांग स्वीकार करते हुए स्मार्ट मीटर की स्थापना की समय सीमा 2028 तक बढ़ा दी है। यानी आगामी तीन साल में कंपनियां 1.41 करोड़ प्री-पेड स्मार्ट मीटर स्थापित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम कर रही है। स्मार्ट मीटर स्थापना में देरी की वजह इसे बनाने वाली कंपनियों द्वारा तय समय सीमा में आपूर्ति नहीं कर पाना भी है। आरडीएसएस योजना के तहत स्मार्ट मीटर लगाने का काम किया जा रहा है। योजना के तहत स्मार्ट मीटर लगाने की मूल समय सीमा दिसंबर 2023 से मार्च 2025 तक थी। प्रदेश सहित पूरे देश में धीमी गति से काम होने के कारण मप्र विद्युत नियामक आयोग ने बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) की याचिका पर स्मार्ट प्री-पेड मीटर लगाने की समय सीमा 31 मार्च, 2028 तक बढ़ा दी है। यह छूट नए कनेक्शनों, खराब, जले, रुके हुए मीटरों के बदले मीटर लगाने और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के घरों के विद्युतीकरण पर लागू होगी।

2028 तक लगेंगे 1.41 करोड़ मीटर

गौरतलब है कि बिजली कंपनियों को प्रदेश में 1 करोड़ 41 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगाने हैं। पहले चरण में 58 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगने हैं। यह काम समय सीमा में पूरा नहीं हो पा रहा। इसके चलते बिजली कंपनियों ने समय बढ़ाने की मांग करने की याचिका आयोग में जारी की थी। दूसरे चरण में बिजली कंपनियों को 82 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगाने हैं। इसके लिए आयोग ने बिजली कंपनियों को 31 मार्च, 2028 तक का समय दिया है। इसके चलते बिजली कंपनियों ने आयोग से गुहार लगाई थी कि स्मार्ट मीटर परियोजना समय पर पूरी नहीं हो पा रही है। ठेके रद्द होने, टेंडर प्रक्रियाओं में देरी, आपूर्ति की कमी और राष्ट्रीय स्तर पर भारी मांग के कारण समय सीमा पूरी करना संभव नहीं था। आयोग ने माना कि स्मार्ट मीटर केवल यंत्र नहीं, बल्कि पूरा सिस्टम है, जिसमें हेड-एंड सिस्टम, डेटा मैनेजमेंट, बिलिंग सॉफ्टवेयर और प्रशिक्षित स्टाफ की जरूरत होती है।

बिना व्यावधान प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश

आयोग ने बिजली कंपनियों को निर्देश दिए कि मीटरों के बदले अस्थायी रूप से मीटर लगाने का ठोस मैकेनिज्म तैयार करें, ताकि राजस्व सुरक्षा और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। गौरतलब है कि प्रदेश में कुल 1.37 करोड़ स्मार्ट मीटर स्वीकृत (फेज-1-38.47 लाख, फेज-2-99.22 लाख)हैं। अब तक 54.90 लाख मीटर फेज-1 में अवार्ड हो चुके हैं। शेष 82.78 लाख मीटर फेज-2 के लिए टेंडर जारी होना बाकी है। ईस्ट डिस्कॉम सबसे ज्यादा 56.5 लाख मीटर स्वीकृत, जिनमें से लगभग 25.9 लाख फेज-1 में टेंडर हुए हैं। सेंट्रल डिस्कॉम 41.3 लाख मीटर स्वीकृत, जिनमें से 21 लाख फेज-1 में टेंडर हुए। वेस्ट डिस्कॉम में 39.8 लाख मीटर स्वीकृत, जिनमें से 11.7 लाख फेज-1 में टेंडर हुए।

1 अक्टूबर से शुरू होगी रजिस्टर्ड स्पीड पोस्ट

पोस्ट ऑफिस में 30 सितंबर से बंद होगी रजिस्टर्ड डाक

भोपाल। अगर आप पत्र भेजने के लिए भारतीय डाक की रजिस्टर्ड डाक सेवा का इस्तेमाल करते हैं तो यह खबर आपके लिए हैं। दरअसल, अब यह सर्विस बंद होने वाली है। इंडियन पोस्ट रजिस्टर्ड डाक को बंद करके नई सर्विस शुरू करेगा। भारत का डाक विभाग हमेशा से अपनी एक खास सेवा, रजिस्टर्ड पत्र, को और तेज व आधुनिक बना रहा है। पोस्ट ऑफिस के रजिस्टर्ड डाक को बंद करके रजिस्टर्ड स्पीड पोस्ट शुरू करेगा। 1 अक्टूबर से रजिस्टर्ड पत्र अब रजिस्टर्ड स्पीड पोस्ट के रूप में आपके लिए उपलब्ध होगा। यह नई सेवा आधुनिक तकनीक और हवाई परिवहन के साथ तेज डिलीवरी भी सुनिश्चित करेगी। पहले रजिस्टर्ड डाक सेवा का इस्तेमाल कोर्ट के समन, कानूनी नोटिस और तलाक जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज भेजने के लिए किया जाता था। अब यह सेवा स्पीड पोस्ट के साथ मिलकर एक नए अंदाज में सर्विस मुहैया कराएगी। भारतीय डाक विभाग ने बताया कि यह बदलाव ग्राहकों की जरूरतों और बाजार की मांगों को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। नई सेवा में रजिस्टर्ड पत्र की तरह ही कानूनी मान्यता होगी। भारतीय डाक विभाग बदलती टेक्नोलॉजी के साथ खुद को डिजिटलाइज कर रहा है। डाकियों के पास अब स्मार्टफोन हैं, जिनमें पोस्टमैन मोबाइल ऐप है। इस पोस्टमैन मोबाइल ऐप के जरिए डाकिया डिलीवरी की जानकारी दर्ज कर सकते हैं और रिसीवर को सीधा संदेश भेज सकते हैं। भारतीय डाक विभाग ने देशभर में 1.8 लाख डाक कर्मचारियों को स्मार्टफोन दिए हैं। इसके अलावा 21,000 कर्मचारी अपने निजी फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। रजिस्टर्ड डाक सेवा के जरिए पत्र सडक और रेल से भेजे जाते थे। इससे डिलीवरी में समय लगता था। लेकिन अब इसे स्पीड पोस्ट के साथ मर्ज कर दिया जाएगा जिससे पत्र को हवाई जहाज के जरिए भेजा जा सकेगा। इसके जरिए डिलीवरी तेज होगी।

रात 8 बजे तक होगी बुकिंग

डाक विभाग ने ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश के 43 मुख्य डाकघरों में डाक व पार्सल की बुकिंग सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक कर दी है। आम व्यक्ति रात 8 बजे तक इन डाकघरों में जाकर स्पीड पोस्ट, पार्सल बुकिंग करवा सकेंगे। ये सुविधा नर्मदापुरम, विदिशा, रायसेन, देवास, धार, खंडवा, खरगोन, सीहोर, राजगढ़, सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, उज्जैन, शाजापुर, रतलाम, झाबुआ, भिंड, मुरैना, मोरार, लश्कर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर के मुख्य डाकघरों में मिलेगी।

लीगल नोटिस पहुंचाना पड़ेगा महंगा

अब बैंक के जरूरी दस्तावेज, लीगल नोटिस या सरकारी पत्र भेजने पर आपकी जेब पहले से ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। फिलहाल देशभर में रोजाना करीब 1 करोड़ स्पीड पोस्ट और 17 लाख रजिस्टर्ड पोस्ट बुक होते हैं। स्पीड पोस्ट को जल्दी पहुंचाने के लिए डाक को हवाई जहाज और फास्ट ट्रेन से भेजा जाता है। इसी वजह से इसकी लागत और दरें दोनों ही सामान्य डाक से ज्यादा रहती हैं। लेकिन बीते कुछ समय से रजिस्टर्ड डाक भी स्पीड पोस्ट के साथ ही भेजी जाने लगी। इसमें गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रेलवे और एयरलाइंस को ज्यादा भुगतान करना पड़ता था, जबकि ग्राहकों से वसूली रजिस्टर्ड पोस्ट की कम दर पर ही होती थी। यह घाटे का सौदा विभाग लंबे समय तक नहीं चला पाया और अब इसे खत्म करने का रास्ता चुना है। डाकघर से आप पोस्ट की कोई भी सेवा ले रहे हों, उसमें दूरी और पार्सल का वजन मायने रखता है, उसके हिसाब से ही दर तय होती है। मान लीजिए छोटी दूरी के लिए आप सिर्फ एक लेटर कहीं पहुंचाना चाहते हैं तो, रजिस्टर्ड पोस्ट के लिए आपको 20 रुपये चुकाने होंगे, लेकिन वही पार्सल यदि आप स्पीड पोस्ट से करते हैं तो इसके लिए आपको 25 या उससे अधिक रुपये चुकाने पड़ सकते हैं। नई रजिस्टर्ड स्पीड पोस्ट की दरें अब तक घोषित नहीं हुई हैं, लेकिन चूंकि इसमें रजिस्टर्ड की कानूनी सुरक्षा और स्पीड पोस्ट की तेजी दोनों शामिल होंगी।

ध्रुवों में बंटे नेताओं को किया जाएगा एक साथ

सत्ता और संगठन में समन्वय के लिए भाजपा ने बनाई वरिष्ठ नेताओं की टीम

भोपाल। सत्ता और संगठन की बार-बार की हिदायत के बाद भी भाजपा नेताओं के बीच समन्वय बनी बन पा रहा है। आलम यह है कि नेता और उनके समर्थक गुटों में बंटते जा रहे हैं। खासकर ग्वालियर-चंबल अंचल में मूल भाजपाई और कांग्रेस से आए भाजपाईयों में समन्वयन नहीं बन पा रहा है। इसको देखते हुए सत्ता और संगठन ने समन्वय के लिए वरिष्ठ नेताओं की एक टीम बनाई है। यह टीम ध्रुवों में बंटे नेताओं को एक करेगी। यानी उनके मनमुटाव को खत्म कराएगी। लेकिन विडंबना यह है कि समन्वय के लिए बनी टीम में ग्वालियर-चंबल अंचल का प्रतिनिधित्व ही नहीं है। जबकि वहां सबसे अधिक विवाद के मामले सामने आ रहे हैं। गौरतलब है कि भाजपा में अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसके लिए सत्ता और संगठन द्वारा लगातार दिशा-निर्देश जारी होते रहते हैं। अब भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने सरकार और संगठन के बीच समन्वय व निर्णय के लिए एक छोटी टीम गठित की है लेकिन इसमें ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित ग्वालियर-चंबल अंचल का प्रतिनिधित्व ही नहीं है। यह भले ही सामान्य बात लगे लेकिन राजनीतिक संकेत कह रहे हैं कि अंदरखाने कुछ गड़बड़ है। इसके और कई कारण भी हैं। बता दें, भाजपा ने नौ बड़े नेताओं की छोटी टीम बनाई है। यह समय-समय पर बैठकर सत्ता-संगठन से संबंधित मुद्दों पर निर्णय करेगी। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल (मध्य भारत अंचल), उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल (विंध्य अंचल) व जगदीश देवड़ा (मालवा अंचल), मंत्री प्रहलाद पटेल (महाकोशल), कैलाश विजयवर्गीय (मालवा) व राकेश सिंह (महाकोशल) और संगठन महामंत्री हितानंद हैं। कांटे से कांटा निकालने की पहल तो नहीं मप्र में पिछले कुछ दिनों के अंदर जिस तरह के राजनीति घटनाक्रम घटित हुए हैं उसे देखकर कहा जा रहा है कि कहीं यह कांटे से कांटा निकालने की पहल तो नहीं है। गतदिनों कैबिनेट बैठक में ज्योतिरादित्य समर्थक मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का ग्वालियर की उपेक्षा के मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लेना और अशोकनगर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का गुना-शिवपुरी के पूर्व सांसद केपी यादव के साथ कार्यक्रम साझा करना चौंकाने वाला रहा। केपी यादव वही हैं, जो ज्योतिरादित्य से नाराज होकर वर्ष 2019 में भाजपा में आए थे और ज्योतिरादित्य को ही लोकसभा चुनाव में हराया था। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश की राजनीति में ग्वालियर-चंबल अंचल का हमेशा से दबदबा रहा है। वर्ष 2020 में जब ज्योतिरादित्य सिंधिया 22 कांग्रेस विधायकों के साथ भाजपा में आए तो तत्कालीन शिवराज कैबिनेट में भी इसी अंचल के नेताओं का बोलबाला हो गया था। अब एकदम स्थिति बदल गई है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, जयभान सिंह पवैया, पूर्व मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा, अनूप मिश्रा, यशोधरा राजे सिंधिया जैसे नेताओं वाले अंचल से भाजपा की छोटी टोली में किसी को न लिया जाना चौंकाता है।

ग्वालियर-चंबल में नई राजनीति के संकेत

जानकारों का कहना है कि ग्वालियर-चंबल अंचल में नई राजनीति के उदय का संकेत मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी अब सियासी दांव-पेच में माहिर हो गए हैं। इसी घटनाक्रम में जब डॉ. मोहन यादव अशोकनगर पहुंचे। ज्योतिरादित्य के धुर विरोधी केपी यादव के पिता की मूर्ति के लोकार्पण के बहाने उनसे नजदीकी का संदेश दे आए। इससे एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने नरेंद्र सिंह तोमर के आवास पर जाकर मुलाकात भी की थी। डॉ. मोहन यादव की यही राजनीति सारी कहानी सार्वजनिक कर रही है। डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पांच बार मध्य प्रदेश आना भी उनकी ताकत बता रहा है। हेमंत खंडेलवाल जैसे अनुशासन प्रिय अध्यक्ष बनने से मध्य प्रदेश में अब सत्ता-संगठन बनाम ज्योतिरादित्य का अदृश्य राजनीतिक द्वंद्व जारी है।

गर्मियों में स्टूडेंट का 46 और शिक्षकों को एक माह का अवकाश

मध्य प्रदेश में आ गया हॉलीडे कैलेंडर, टीचर और बच्चों को मिलेगी भर भरकर छुट्टियां

भोपाल। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दशहरा, दीपावली, शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन अवकाश की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह आदेश सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ डीएड, बीएड और एमएड कॉलेजों में लागू होगा। इस आदेश के अनुसार वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कुल 59 दिनों का अवकाश मिलेगा। वर्तमान शैक्षणिक सत्र की छुट्टियों की शुरूआत दशहरा यानि 1 अक्टूबर से होगी। भले ही दशहरा 2 अक्टूबर को है, लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग ने 1 से 3 अक्टूबर तक 3 दिनों का अवकाश घोषित किया है। बता दें कि इस बार गांधी जयंती भी दशहरे के दिन पड़ रही है। इसके बाद दीपावली में भी 5 दिन का अवकाश घोषित किया गया है। इस बार दीपावली 20 अक्टूबर को पड़ रही है। ऐसे में 18 से 23 अक्टूबर तक दीपावली के अवकाश की घोषणा जारी की गई है। 6 दिन का रहेगा शीत कालीन अवकाश लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश के तहत मध्य प्रदेश के स्कूलों में 31 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक शीतकालीन अवकाश रहेगा। यानि विभाग ने शीतकालीन अवकाश के लिए 5 दिन का अवकाश घोषित किया है। हालांकि 5 जनवरी 2026 को रविवार का दिन है। ऐसे में स्टूडेंट और शिक्षकों को एक दिन का अतिरिक्त शीतकालीन अवकाश मिल जाएगा। जबकि 6 जनवरी से नियमित कक्षाएं लगेंगी। शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार सबसे लंबा अवकाश ग्रीष्मकालीन होगा। इसकी अवधि 1 मई से 15 जून तक कुल 46 दिन तय की गई है।

निर्माण ना करने वाले प्राधिकरण के भूखंडधारकों को मिलेगा कम्पाउंडिंग का लाभ

***भोपाल।** पिछले कुछ सालों से प्राधिकरण अपनी सम्पत्तियों को फ्री होल्ड बेच रहा है। मगर पूर्व में जो भूखंड बेचे गए उनमें 4 साल में निर्माण कर लिया जाना था, मगर उसके बाद शासन ने ऐसे भूखंडधारकों को कम्पाउंडिंग का लाभ भी दिया। 10 रुपए प्रति वर्गमीटर सालाना की दर से कम्पाउंडिंग शुल्क जमा कराने के बाद प्राधिकरण लीज नवीनीकरण, नामांतरण सहित अन्य कार्रवाई कर रहा है। शासन ने जो व्ययन नियमों में संशोधन 2018 में किए थे उसके मुताबिक अभी ऐसे भूखंडधारकों को 2028 तक इस प्रावधान का लाभ मिलता रहेगा। पिछले दिनों इंदौर विकास प्राधिकरण के एक अभिभाषक ने गलत व्याख्या करते हुए इस तरह के प्रकरणों में कम्पाउंडिंग की प्रक्रिया को रुकवा दिया था, जिसके चलते कई भूखंडधारक परेशान हुए और जब यह मामला वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा तो शासन के आदेशों की जांच-पड़ताल की गई,तो यह पाया कि 2028 तक कम्पाउंडिंग शुल्क लिया जा सकता है, जिसके चलते एकल खिडकी पर पुनः ऐसे प्रकरणों को लिया जाने लगा। वरना कुछ दिनों तक तो आवेदकों के ऐसे प्रकरण एकल खिडकी पर अस्वीकार किए जाने लगे थे।*

ऑनलाइन खरीदारी पर बड़े ऑफर...रखें सावधानी

कैशबैक के लालच में डाटा सेव न करें

भोपाल। नवरात्र प्रारंभ होते ही ई-कामर्स कंपनियों की वेबसाइट पर आफर की वर्षा हो रही है। सभी कंपनियां ग्राहकों को लुभाने के लिए यह आफर दे रही हैं। वहीं कंपनियों द्वारा सेल भी शुरू की गई है। ऐसे में ठग भी सक्रिय हो जाते हैं। अगर आप भी ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं तो कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत है। क्योंकि आपकी छोटी सी चूक भारी पड़ सकती है और आप ठगी का शिकार हो सकते हैं। पुलिस द्वारा भी इसे लेकर एडवाइजरी जारी की जा रही है। जिससे लोगों को ठगों से बचाया जा सके। ई-कामर्स कंपनियों की वेबसाइट से खरीदारी करते समय कई लोग कैशबैक के लालच में ऑनलाइन भुगतान करते हैं। ऑनलाइन भुगतान करते समय सुरक्षा का पूरा ख्याल रखें, यह सबसे जरूरी है। कई लोग क्रेडिट-डेबिट कार्ड की जानकारी सेव कर देते हैं। ऐसा कतई न करें। सेव के आप्शन पर क्लिक न करें। जिससे आपके क्रेडिट-डेबिट कार्ड की जानकारी ठगों तक न पहुंच सके। ओटीपी का विकल्प ही चुनें ऑनलाइन भुगतान में अपने डेबिट और क्रेडिट कार्ड का एप्लीकेशन मोबाइल में जरूर डाउनलोड करें। ऐसे में ओटीपी का विकल्प ही चुनें। जिससे जब भी आप भुगतान करें तो मोबाइल पर ओटीपी आए। ऐसे में अगर आपके डेबिट, क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर कोई ठगी का प्रयास करता है तो ओटीपी मोबाइल पर आएगा।

दिमनी सीट की मॉनिटर बनी प्रियंका गांधी

हर बूथ तक पहुंचेगी प्रियंका

भोपाल। मध्य प्रदेश की दिमनी विधानसभा सीट से विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर चुनाव जीते हैं। कांग्रेस ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मध्य प्रदेश विधानसभा की दिमनी सीट को लक्ष्य किया है। यहां पर मतदाता सूची और मतदान के दौरान गड़बडियों को रोकने के लिए इस बार कांग्रेस ने हर बूथ पर चुनाव रक्षक तैनात करने का निर्णय लिया है। कांग्रेस की ओर से इसकी जिम्मेदारी राजस्थान के पूर्व विधायक गोगाराम मेघवाल को दी गई है। इस सीट की मॉनिटरिंग करने का काम कांग्रेस ने सांसद प्रियंका गांधी को सौंपा है। कांग्रेस के बूथ रक्षक कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ में वोटर लिस्ट की जाँच करेंगे। प्रत्येक मतदाता से घर-घर जाकर मिलेंगे। मतदाताओं के नाम जोड़ने और जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उनका रिकॉर्ड एकत्रित कर सत्यापित करेंगे। बूथ रक्षकों की टीम को प्रियंका गांधी खुद प्रशिक्षण देंगी। मध्य प्रदेश में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को घेरने की तैयारी कांग्रेस ने की है। कांग्रेस अब चुनाव लड़ना सीख रही है। भाजपा जिस तरीके से अपने चुनाव प्रबंधन को पुख्ता करती थी। जिस तरह से पन्ना प्रमुख बनाकर उन्हें चुनाव के समय सक्रिय करती थी। भाजपा से सीख लेकर अब कांग्रेस ने भाजपा के हथियार को अपनी लड़ाई में शामिल कर लिया है। जिसके कारण भाजपा के लिए अब चुनाव आसान नहीं होंगे। कांग्रेस की ओर से विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को चुनौती मिलने जा रही है।

विकास योजनाओं को रफ्तार देने पर फोकस

आगामी एक साल के लिए हो रही अफसरों की जमावट

भोपाल। मप्र में शासन-प्रशासन का फोकस सुशासन और विकास पर है। विकास योजनाओं को अमलीजामा पहनाने और उन्हें रफ्तार देने के लिए आगामी एक साल के लिए अफसरों की जमावट की जा रही है। दरअसल, एक साल का एक्सटेंशन मिलने के बाद मुख्य सचिव अनुराग जैन की कोशिश है कि इस दौरान विकास की गति को बढ़ाया जाए, ताकि योजनाओं-परियोजनाओं को समय सीमा में पूरा किया जा सके। इसके लिए अफसरों को उनकी योग्यता के अनुसार पदस्थापना दी जा रही है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा एक वर्ष का एक्सटेंशन दिए जाने के

बाद सीएस अनुराग जैन अब आने वाले दिनों में मप्र में प्रशासन को स्थिरता देने में लगे हुए हैं। इसके लिए वे अफसरों की नए सिरे से जिम्मेदारी दे रहे हैं। अनुराग जैन को एक्सटेंशन मिलने के बाद 32 आईएएस अधिकारियों की 2 अलग-अलग तबादला सूची जारी की जा चुकी हैं। दोनों तबादला आदेश एक सप्ताह के अंतराल (8 सितंबर और 15 सितंबर) से जारी हुए। दोनों आदेशों में सचिव, अपर सचिव और उप सचिव रैंक के अधिकारियों की नई पदस्थापना की गई। साथ ही 5 जिलों के कलेक्टर और 11 जिला पंचायत सीईओ भी बदले गए। आने वाले दिनों में और आईएएस अधिकारियों की नई पदस्थापना की जाएगी। एक और सूची पर मंथन माना जा रहा है।

अतिरिक्त प्रभार से मिलेगी मुक्ति

प्रदेश में आईएएस अफसरों की कमी के कारण कई एसीएस और पीएस के पास मूल विभाग के साथ अन्य विभागों का अतिरिक्त प्रभार भी है। सरकार बड़े विभाग संभाल रहे एसीएस और पीएस से अतिरिक्त प्रभार वापस ले सकती है। एसीएस डॉ. राजेश राजौरा के पास जल संसाधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार, एसीएस अशोक बर्णवाल के पास कृषि उत्पादन आयुक्त, एसीएस संजय दुबे के पास साइंस एवं टेक्नोलॉजी और एसीएस मुख्यमंत्री नीरज मंडलोई के पास लोक सेवा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार है। इसके अलावा एसीएस अनुपम राजन के पास संसदीय कार्य व उद्यानिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार, एसीएस संजय शुक्ला के पास योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी व विमानन एवं चेयरमैन कर्मचारी चयन मंडल, एसीएस रश्मि अरुण शमी के पास आयुक्त मप्र भवन नई दिल्ली का अतिरिक्त प्रभार, एसीएस दीपाली रस्तोगी के पास विकास आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार, एसीएस शिव शिव शेखर शुक्ला के पास गृह व धर्मस्व विभाग, पीएस उमाकांत उमराव के गौपालन विभाग, पीएस डीपी आहुजा के पास आयुष विभाग, पीएस अमित राठौर के पास कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग, पीएस राघवेंद्र कुमार सिंह के पास आनंद विभाग का अतिरिक्त प्रभार, पीएस विवेक पोरवाल के पास आयुक्त राहत एवं पुनर्वास और पीएस संदीप यादव के पास आयुक्त खाद्य सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार है।

संक्षिप्त समाचार

एच 1 बी वीजा विवाद के बीच चीन ने नया के वीजा पेश किया

दुनियाभर से टैलेंटेड लोगों को लुभाने की तैयारी

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका के एच 1 बी वीजा की एप्लिकेशन फीस बढ़ाने से जुड़े विवाद के बीच चीन ने नया च वीजा प्रोग्राम पेश किया है। यह वीजा खासकर साइंस, ट ेक नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स क्षेत्रों के युवा पेशेवरों के लिए है। चीन का लक्ष्य है कि वह उन देशों की वैकेंसी को भर सके, जो अपने वीजा नियम कड़े कर रहे हैं।चीन ने यह निर्णय अगस्त में मंजूर किया था और नए नियम 1 अक्टूबर 2025 से लागू होंगे। इसमें वीजा धारकों के लिए अधिक प्रवेश, लंबी वैधता और अधिक ठहरने की सुविधा दी जाएगी। चीन ने पिछले कुछ समय में 74 देशों के नागरिकों को 30 दिन तक वीजा-मुक्त प्रवेश की सुविधा भी दी है। यह कदम पर्यटन, अर्थव्यवस्था और देश की सॉफ्ट पावर बढ़ाने के लिए उठाया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ॥-1क्र वीजा पर अमेरिकी कदम के बाद चीन इस क्षेत्र में अवसर तलाश रहा है।

अमेरिकी महिला ने एआई की मदद से जीती 1.25 करोड़ रुपये की लॉटरी

वर्जीनिया, एजेंसी। रिश्तों में सलाह देना हो या किसी की मन की बात सुनना, आज चैटजीपीटी कई तरह से लोगों की मदद कर रहा है। लेकिन अब यह लॉटरी जीतने में भी मददगार साबित हो रहा है। वर्जीनिया के मिडलोथियन शहर की रहने वाली कैरी एडवर्ड्स इसका ताजा उदाहरण हैं। उन्होंने आठ सितंबर को वर्जीनिया लॉटरी में चार सही नंबर और पावरबॉल मिलाकर लॉटरी जीत ली। पहले उन्हें 50 हजार अमेरिकी डॉलर (करीब 42 लाख रुपये) मिलने वाले थे। लेकिन उन्होंने पावर प्ले नाम का एक विकल्प चुना, जिसमें केवल एक डॉलर और जोड़ने पर इनाम तीन गुना हो गया। इस तरह उन्हें कुल 1,50,000 डॉलर (करीब 1.25 करोड़ रुपये) मिले।

चैटजीपीटी ऐप से पूछे नंबर: अब सवाल यह है कि ये इनाम जीतने वाले नंबर उन्हें किसने बताए? ये नंबर चैटजीपीटी ने दिए। कैरी आमतौर पर लॉटरी नहीं खेलतीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने फोन के चैटजीपीटी ऐप से नंबर पूछे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया, मैंने चैटजीपीटी से कहा- मुझसे बात करो...क्या तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ नंबर हैं?

फोन पर आए नोटिफिकेश ने कैरी को चौंका दिया: दो दिन बाद जब वह एक बैठक में थीं, तो उनके फोन पर एक नोटिफिकेशन आया, जिसने उन्हें चौंका दिया। शुरुआत में उन्हें लगा कि यह कोई धोखाधड़ी है, लेकिन जब उन्होंने खबर की पुष्टि की तो उन्हें इस जिंदगी बदल देने वाली जीत पर भरोसा हुआ। उन्होंने कहा, जैसे ही यह इनाम मेरे पास आया तो मुझे तुरंत समझ आ गया कि मुझे इस पैसे का क्या करना है। मुझे लगा कि मुझे यह सब दान कर देना चाहिए, क्योंकि मुझे पहले ही बहुत कुछ मिला है। मैं चाहती हूं कि यह एक उदाहरण बने कि जब किसी को कुछ अच्छा मिले तो वह दूसरों की मदद करे।

पैसे को नेक कामों में बांटने का किया फैसला: कैरी एडवर्ड्स ने पूरे 1,50,000 डॉलर अच्छे कामों में बांटने का फैसला किया। पहला हिस्सा उन्होंने एक चैरिटी को दिया, जिसका नाम एसोसिएशन फॉर फ्रंटोटेम्पोरल डिजेनरेशन है। यह संस्था ऐसी बीमारी पर शोध करती है, जिससे 2024 में उनके पति की मौत हुई थी। दूसरा हिस्सा शलोम फार्म्स को दिया गया, जो रिचमंड में एक जैविक खेती करने वाला फार्म है और भूख की समस्या को हल करने के लिए काम करता है।

24 घंटे में 4 देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दी, ब्रिटेन-कनाडा शामिल

अब तक 150 देश कर चुके समर्थन; अमेरिका अब भी खिलाफ

लंदन, एजेंसी। पिछले 24 घंटे में ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और पुर्तगाल ने फिलिस्तीन को औपचारिक तौर पर एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे दी। इससे फिलिस्तीन को मान्यता देने वाले देशों की संख्या अब करीब 150 हो गई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि दो राष्ट्र समाधान ही शांति का रास्ता है। वहीं पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रेंजेल ने कहा कि फिलिस्तीन को मान्यता देना ही स्थायी शांति का एकमात्र रास्ता है। इस कदम से इजराइल पर गाजा में मानवीय संकट कम करने का दबाव बढ़ा है। हालांकि, अमेरिका अब भी फिलिस्तीन को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देता है। वहीं, फ्रांस ने भी ऐलान किया है कि वह इस हफ्ते यूएन में फिलिस्तीन को मान्यता देने के पक्ष में वोट करेगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश जारी कर फिलिस्तीन को मान्यता देने का ऐलान किया।

नेतन्याहू बोले- यह कदम आतंकवाद को इनाम देना

वहीं, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि फिलिस्तीन को आजाद देश मानना आतंकवाद को इनाम देना है। जॉर्डन नदी के पश्चिम में फिलिस्तीनी देश नहीं बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों को दोगुना कर दिया है और इसे और बढ़ाएंगे। नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि वह इस मान्यता का जवाब अमेरिका से लौटने के बाद देंगे।

75 प्रतिशत देश फिलिस्तीन को मान्यता दे चुके

फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से करीब 75 प्रतिशत देश मान्यता दे चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र में इसे 'परमानेंट ऑबजर्वर स्टेट' का दर्जा हासिल है। इसका मतलब है कि फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रमों में शामिल होने की अनुमति तो है लेकिन वोटिंग का अधिकार नहीं है। फ्रांस की मान्यता मिलने के बाद फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 5 में 4 स्थाई देशों का समर्थन मिल जाएगा। चीन और रूस दोनों ने 1988 में फिलिस्तीन को मान्यता दी थी। ऐसे में अमेरिका इकलौता देश होगा जिसने फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दी है। उसने ने फिलिस्तीनी अथॉरिटी को मान्यता दी है। फिलिस्तीनी अथॉरिटी 1994 में इसलिए बनाई गई थी ताकि फिलिस्तीनियों के पास अपनी स्थानीय सरकार जैसी व्यवस्था हो और आगे चलकर यह पूरा राज्य बनने की नींव बन सके।

ब्रिटेन ने क्यों लिया फैसला?

ब्रिटिश पीएम ने कहा कि यह फैसला इजराइल को सजा देने के लिए नहीं लिया गया है, लेकिन अगर इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा में सैन्य कार्रवाई को कम हिंसक तरीके से और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करते हुए किया होता, तो शायद यह कदम न उठाया जाता। इससे पहले ब्रिटिश डिप्टी पीएम डेविड लैमी ने कहा था कि अगर ब्रिटेन फिलिस्तीन को मान्यता देता है, तो इसका मतलब यह नहीं होगा कि कोई नया देश तुरंत बन जाएगा। उन्होंने कहा कि मान्यता सिर्फ एक शांति प्रक्रिया का हिस्सा है। लैमी ने बताया कि ऐसा कदम इसलिए उठाया जा रहा है ताकि 'टू स्टेट सॉल्यूशन' की उम्मीद बनी रहे।

कनाडा बोला- फिलिस्तीन लोकतांत्रिक देश बनेगा

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी का कहना है कि यह कदम मध्य पूर्व में शांति लाने और टू-स्टेट सॉल्यूशन को बचाने के लिए है। इस समाधान में फिलिस्तीन एक आजाद और लोकतांत्रिक देश बनेगा, जो इजराइल के साथ शांति से रहेगा। कनाडा ने कहा कि वह फिलिस्तीन को मान्यता देकर शांति की उम्मीद बनाए रखना चाहता है। यह कदम हमास का समर्थन नहीं करता, बल्कि मांग करता है कि हमास बंधकों को छोड़े, हथियार डाले, और फिलिस्तीन की सरकार में कोई भूमिका न ले। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने कहा- ऑस्ट्रेलिया फिलिस्तीनी लोगों की आजाद देश की इच्छा का सम्मान करता है।

फिलिस्तीन ने अमेरिका से भी मान्यता की अपील की

फिलिस्तीन ने ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के फैसले की तारीफ की है। फिलिस्तीन ने अमेरिका और उन देशों से भी मान्यता की अपील की है, जिन्होंने अभी तक उसे मान्यता नहीं दी है। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने कहा कि ब्रिटेन का यह कदम क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए जरूरी है। वहीं, फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने कहा- हम ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के फैसले का स्वागत करते हैं। यह टू-स्टेट सॉल्यूशन को बचाने और शांति लाने की दिशा में एक कदम है। इजराइल-हमास जंग में अब तक 60 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जबकि गाजा में रहने वाले 20 लाख से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है।

ट्रम्प का फिलिस्तीन को मान्यता देने से इनकार

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है जब अमेरिका के कई राजनेताओं ने ब्रिटेन पर ऐसा न करने का दबाव डाला था। उनका कहना था कि इससे न सिर्फ इजराइल की सुरक्षा पर असर पड़ेगा, बल्कि गाजा में हमास के कब्जे में बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों की स्थिति भी और कठिन हो जाएगी। पिछले हफ्ते ब्रिटेन की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी साफ कहा था कि फिलिस्तीन को मान्यता देने को लेकर उनकी राय ब्रिटेन से मेल नहीं खाती। दूसरी तरफ, इजराइल ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है और कहा है कि फिलिस्तीन को मान्यता देना असल में आतंकवाद को इनाम देने जैसा है।

क्रीमिया में यूक्रेन की तबाही, ड्रोन अटैक में कई मौतें; रूस ने भी रातभर किए ताबड़तोड़ हमले

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध थमने की जगह और भयंकर होता जा रहा है। विवादित क्रीमिया में यूक्रेन के ड्रोन हमले में कम से कम तीन की मौत हो गई। वहीं इस हमले में कई लोग घायल भी हो गए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यूक्रेन क्रीमिया में आम लोगों को निशाना बना रहा है। वहीं कीव का कहना है कि रूसी हमले में उसके दो नागरिकों की जान गई है। रूस के रक्षा मंत्री ने कहा कि क्रीमिया के फोरोस में यूक्रेन ने एक रिजॉर्ट को निशाना बनाया है। इसके अलावा एक स्कूल की इमारत पर भी हमला किया गया है। उन्होंने कहा कि इस हमले में तीन लोगों की मौत हुई है और 16 घायल हो गए हैं। इसके अलावा याल्टा सिटी में भी ड्रोन हमले की वजह से एक इमारत में आग लग गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इसे आतंकी हमला करार दिया है।

वहीं यूक्रेन का कहना है कि रविवार को रात में 10 बजे के बाद से रूस ने कम से कम 46 आसमानी हमले किए। कीव ने कहा कि जपोरिज्जिया में रातभर हमले होते रहे और कम से कम दो लोगों की जान चली गई। एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि रूस ने शहर पर कम से कम पांच बम गिराए। बताते चलें कि रूस और यूक्रेन के बीच क्रीमिया को लेकर विवाद बहुत पुराना है। साल 2014 में ही रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे अब भी यूक्रेन का हीस्सा ही माना जाता है। रूस का कहना है कि अमेरिका सहित अन्य देश क्रीमिया को रूस का हिस्सा स्वीकार करें। डोनाल्ड ट्रंप ने इसके लिए रूस को आश्वासन भी दे दिया और यूक्रेन से कहा कि शांति समझौते में उसे क्रीमिया नहीं मिल पाएगा। यूक्रेन ने डोनाल्ड ट्रंप के इस प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

गाजा को लेकर बन रहा बड़ा प्लान, इंटरनेशनल फोर्स भेजने की तैयारी, फ्रांस ने पेश किया प्रस्ताव

गाजा, एजेंसी। फ्रांस गाजा में इजरायली रक्षा बलों की जगह इंटरनेशनल फोर्स तैनात करना चाहता है। इस मिशन का उद्देश्य युद्ध समाप्त होने के बाद हमास को निरस्त्र करना है। साथ ही, गाजा में आंतरिक सुरक्षा को धीरे-धीरे फिलिस्तीनी अथॉरिटी को सौंपना है। यह जानकारी द टाइम्स ऑफ इजरायल के हाथ लगे प्रस्ताव के मसौदे से सामने आई है। यह प्रस्ताव जुलाई में जारी एक अंतरराष्ट्रीय घोषणापत्र को लागू करने की बात करता है। इसमें दो-राष्ट्र समाधान, हमास के निरस्त्रीकरण और गाजा में सुरक्षा व्यवस्था के हस्तांतरण की जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रस्ताव में मिशन का नेतृत्व करने के लिए कई देशों को नामित किया गया है, जिनमें मिस्र, जॉर्डन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर को प्राथमिकता दी गई है। मसौदे में कहा गया कि यह मिशन न्यूयॉर्क घोषणापत्र के अनुसार और संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में चलाया जाएगा। इसका मकसद सुरक्षा को लेकर धीरे-धीरे क्षेत्रीय नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ना है। हालात सामान्य होने पर ही यह मिशन सफल हो पाएगा।

न्यूयॉर्क घोषणापत्र का जिक्र क्यों जरूरी: गाजा को लेकर न्यूयॉर्क घोषणापत्र को फ्रांस और सऊदी अरब ने जुलाई में आगे बढ़ाया था, जिसे बाद में कतर और मिस्र सहित कई अरब देशों ने समर्थन दिया। इस महीने की शुरुआत में इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक प्रस्ताव में शामिल किया गया। घोषणापत्र में कहा गया है कि हस्ताक्षरकर्ता देश फिलिस्तीनी अथॉरिटी के निमंत्रण पर अस्थायी अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण मिशन की तैनाती का समर्थन करते हैं। इसमें कहा गया, यह मिशन फिलिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा मुहैया कराएगा। फिलिस्तीनी राज्य और उसके सुरक्षा बलों की क्षमता बढ़ाने का समर्थन करेगा। साथ ही, फिलिस्तीन और इजरायल दोनों के लिए सुरक्षा गारंटी प्रदान करेगा। इसमें युद्धविराम और भविष्य के शांति समझौते की निगरानी भी शामिल होगी। दोनों देशों की संप्रभुता का पूरा सम्मान किया जाएगा।

तालिबान ने यौन उत्पीड़न से जुड़ी किताबें गैरकानूनी घोषित की

कुल 679 किताबों पर रोक; मानवाधिकार से जुड़ी पढ़ाई पर भी प्रतिबंध

काबुल, एजेंसी। तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान की यूनिवर्सिटीज में यौन उत्पीड़न, मानवाधिकार और महिलाओं से जुड़े विषयों पर पढ़ाई जाने वाली किताबों पर रोक लगा दी। यह प्रतिबंध 28 अगस्त 2025 को लागू हुआ, जिसमें 679 किताबों को च्शरिया और तालिबान नीतियों के खिलाफज्ज बताकर प्रतिबंधित किया गया। इनमें से 140 किताबें महिलाओं ने लिखीं थीं। तालिबान ने 18 विषयों को पढ़ाने पर भी रोक लगाई, जिनमें यौन उत्पीड़न, मानवाधिकार, महिलाओं की समाजशास्त्र और जेंडर स्टडी शामिल है। यह खबर हाल ही में सामने आई है।

तालिबान ने वाई-फाई पर भी रोक लगाई: यह कदम तालिबान के पिछले चार सालों में लगाए गए कई प्रतिबंधों की कड़ी में एक और नया फैसला है। हाल ही में उन्होंने 10 प्रांतों में वाई-फाई पर भी पाबंदी लगा दी थी। अधिकारियों का कहना है कि ऐसा अनैतिक गतिविधियों को रोकने के लिए किया गया। तालिबान के इस फैसले लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं और लड़कियों पर पड़ा है। उन्हें पहले ही छठी कक्षा से आगे की पढ़ाई से रोका जा चुका है

और अब दाई के पाठ्यक्रम, जो उनकी पढ़ाई का आखिरी सहारा थे, 2024 के आखिर तक बंद कर दिए जाएंगे।

पुस्तकों की समीक्षा करने वाली समिति ने साफ कहा है कि अब महिलाओं की लिखी गई कोई भी किताब पढ़ाने की अनुमति नहीं होगी। अफगानिस्तान की पूर्व उप-न्याय मंत्री और लेखिका जकिया अदेली, जिनकी किताब भी इस सूची में शामिल है, ने कहा कि यह फैसला उन्हें चौंकाने वाला नहीं लगा। उनके मुताबिक तालिबान की नीतियां पहले दिन से ही स्त्री विरोधी रही हैं। अगर महिलाओं को पढ़ने की अनुमति नहीं है, तो उनके विचारों और लेखन को भी जगह नहीं दी जाएगी। बीबीसी के मुताबिक तालिबान के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि फैसले धार्मिक विद्वानों और विशेषज्ञों की सलाह से लिए गए हैं। महिलाओं की किताबों के अलावा इस बार ईरानी लेखकों और प्रकाशकों की किताबों पर भी रोक लगाई गई है।

अफगानिस्तान में ईरान का प्रभाव रोकने में जुटा तालिबान: प्रतिबंधित सूची में शामिल 679 किताबों में से 310 या तो ईरानी लेखकों की हैं या ईरान में प्रकाशित हुई हैं। समिति के एक सदस्य ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया ताकि अफगान पाठ्यक्रम में ईरानी प्रभाव न बढ़ सके। दरअसल, हाल के सालों में अफगानिस्तान और ईरान के रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं। पानी के बंटवारे जैसे मुद्दों पर दोनों में टकराव हुआ है। इसके अलावा, ईरान ने इस साल जनवरी से अब तक 15 लाख से ज्यादा अफगानों को देश छोड़कर वापस जाने पर मजबूर किया है। ऐसे माहौल में ईरानी किताबों पर रोक को भी राजनीतिक फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए यह स्थिति बेहद मुश्किल बन गई है। एक प्रोफेसर ने कहा कि ईरानी लेखक और अनुवादक अब तक अफगान शिक्षा जगत और वैश्विक शैक्षणिक समुदाय के बीच पुल का काम करते थे।

35 हजार मदरसों में बच्चों को खतरा, धार्मिक शिक्षा के नाम पर हो रहा यौन शोषण

संसदीय समिति ने चेताया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के मदरसों व स्कूलों में बच्चों के यौन शोषण संबंधी रिपोर्ट के सामने आने के बाद एक संसदीय समिति ने इस पर चिंता जताई। समिति ने मदरसों व स्कूलों में बच्चों को दुर्व्यवहार से बचाने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षा के नाम पर किसी भी बच्चे को कष्ट न सहना पड़े। पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन में शुक्रवार को प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया कि सीनेटर समीना मुमताज जेहरी की अध्यक्षता में मानवाधिकारों पर सीनेट की कार्यात्मक समिति ने बृहस्पतिवार को पंजाब, सिंध व खैबर पख्तूनख्वा के मदरसों में दंड, यातना व यौन शोषण की परेशान करने वाली रिपोर्टों की समीक्षा के लिए एक बैठक की। संघीय व प्रांतीय विभागों के अधिकारियों ने समिति को इस मुद्दे के समाधान के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कदम का उद्देश्य वैध धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाना नहीं बल्कि निगरानी व जवाबदेही के माध्यम से दुर्व्यवहार को खत्म करना है। सीनेटर जेहरी ने वित्तीय पारदर्शिता-निगरानी के अभाव पर जताई चिंता सीनेटर जेहरी ने इन संस्थानों के उचित पंजीकरण, वित्तीय पारदर्शिता व निगरानी के अभाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मदरसों के नियमित निरीक्षण, अनिवार्य अभिभावक-शिक्षक सहभागिता, बाल संरक्षण पर शिक्षक प्रशिक्षण और शारीरिक दंड पर प्रतिबंध सहित कड़े कदम उठाने का आह्वान किया।

ट्रंप और मस्क में फिर हो गई दोस्ती?

किर्क की श्रद्धांजलि सभा में साथ आए नजर, बातचीत भी हुई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट चार्ली किर्क के श्रद्धांजलि सभा में एक साथ देखा गया। दोनों एक-दूसरे से बातचीत करते भी नजर आए। व्हाइट हाउस के सोशल मीडिया अकाउंट से उनकी इस मुलाकात को हाइलाइट भी किया गया है। एलन मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बस इतना लिखा, चार्ली के लिए। ट्रंप और मस्क के बीच लंबे समय के बाद यह पहली सार्वजनिक मुलाकात रही।

रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप से विवाद होने के चलते एलन मस्क ने स्पेशल गवर्नमेंट एंप्लॉयी के पद से इस्तीफा दिया था। मस्क ने मई के आखिर में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के हेड के तौर पर काम छोड़ा था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की एक पॉलिसी को वित्तीय रूप से गैर-जिम्मेदार बताया था। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रंप की तीखी आलोचना भी की थी। इसके जवाब में ट्रंप ने मस्क की कंपनियों के साथ फेडरल कॉन्ट्रैक्ट्स रद्द करने की धमकी दी थी।

अब ट्रंप और मस्क मेमोरियल सर्विस में एक साथ दिखे हैं। यह उनके तनावपूर्ण रिश्ते में कुछ नरमी का संकेत देता है। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मेमोरियल सर्विस में भावुक भाषण दिया। उन्होंने चार्ली किर्क के समर्थकों से कहा कि वे उनके विश्वास, सत्य और देश के लिए लड़ाई को जारी रखें। वेंस ने कहा, सोशल मीडिया पर कई लोग फॉर चार्ली की बात कर रहे हैं। हमें चार्ली के लिए ये करना होगा। चार्ली के लिए हम हर दिन सच बोलेंगे। चार्ली के लिए हम अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे। चार्ली के लिए हम कभी पीछे नहीं हटेंगे, कभी डरेंगे नहीं और बंदूक की नोक पर भी डटकर मुकाबला करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने चार्ली किर्क को दिया शहीद का दर्जा, पत्नी बोलीं- मैं हत्यारे को माफ करती हूं: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मारे गए दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क को अमेरिका की आजादी का शहीद घोषित कर दिया है। वहीं किर्क की पत्नी ने पति के हत्यारे को माफ कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को किर्क की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा है कि किर्क लोगों के दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे। उन्होंने कहा, वह अमेरिका की आजादी के लिए जान देने वाले शहीद हैं। बता दें कि चार्ली किर्क डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी माने जाते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, उन्होंने बहुत मेहनत की। उन्होंने ही मुझे भी पूरे देश में जाने की सलाह दी थी। बता दें कि यूटा यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्हें गर्दन पर गोली मार दी गई थी। उनकी हत्या के आरोप में 22 साल के टाइलर रॉबिन्स को गिरफ्तार किया गया है। सरकारी वकील का कहना है कि वह टाइलर के लिए मौत की सजा की मांग करेंगे। वहीं हत्या के पीछे का मकसद अब भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। राजनीतिक गलियारों में यही कहा जा रहा है कि किर्क वामपंथियों के लिए रोड़ा बन गए थे। इसलिए राजनीतिक साजिश के तहत उन्हें मरवाया गया। डोनाल्ड ट्रंप ने लिबरल्स पर भड़कते हुए कहा कि इस हत्या की जांच पूरी की जाएगी और हिंसा के पीछे जिनका भी हाथ है उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, किर्क अपने विरोधियों से भी घृणा नहीं करते थे। चार्ली किर्क की पत्नी एरिका किर्क भी इस कार्यक्रम में संबोधन के दौरान भावुक हो गईं।

सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें : राज्यपाल पटेल

राज्यपाल ने पर्यटन नगरी ओरछा एवं ग्राम पंचायत चन्द्रपुरा का किया भ्रमण

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि महिलाएं सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त करें। सरकार स्वास्थ्य शिविर के द्वारा चिकित्सा सेवाओं को उनके पास पहुंचाने का कार्य कर रही है। यह समझना जरूरी है कि माँ स्वस्थ रहेगी, तो परिवार भी स्वस्थ रहेगा। उन्होंने शिविर की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि टीबी रोग उपचार के लिए पोषण आहार एवं दवाइयां नियमित रूप से लेनी चाहिए। रोग बचाव और सुरक्षा के उपायों का भी कड़ाई के साथ पालन करना चाहिए। राज्यपाल पटेल मंगलवार को निवाड़ी जिले में सेवा पखवाड़ा अंतर्गत स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान राज्यपाल पटेल ने ओरछा में रामराजा सरकार के दर्शन कर प्रदेश एवं जिले की सुख-समृद्धि की कामना की और पर्यटन नगरी ओरछा एवं ग्राम पंचायत चन्द्रपुरा का भ्रमण किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सरकार का प्रयास है कि जनजाति बच्चे विदेशों में पढ़ाई करें और डॉक्टर-इंजीनियर बने। धरती आबा अभियान में जनजातियों के विकास के लिए सरकार ने 80 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। जनजातीय परिवारों के पक्के घर के सपने को प्रधानमंत्री आवास योजना ने पूरा किया है। उन्होंने योजना क्रियान्वयन के सभी हितधारकों से अपील की है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनजातियों को विकास की मुख्य धारा में शामिल करने के संकल्प को सिद्ध करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने टीबी मरीजों की पोषण जरूरतों में सहयोग के लिए निक्षय मित्र योजना को प्रभावी पहल बताया। उन्होंने कहा कि समाज का समृद्ध और सम्पन्न वर्ग निक्षय मित्र बनकर रोगियों का सहयोग करें। उन्होंने जनजातीय क्षय रोगियों से संवाद किया और प्रोटीन युक्त पोषण आहार किट प्रदान की। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने चन्द्रपुरा में आदिवासी सशक्तिकरण के लिए एकल बिंदु संपर्क आदिसेवा केन्द्र का शुभारंभ किया। जनजातीय ग्रामीणों द्वारा स्थानीय बुंदेली नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत आदिसेवा केन्द्र परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की कृति पर माल्यार्पण किया तथा कन्या पूजन किया। कन्याओं को फल, चुनरी एवं उपहार भेंट कर शुभ आशीष दिया। उन्होंने आदिसेवा केन्द्र में उपस्थित अधिकारियों से परिचयात्मक संवाद किया। उत्तरदायी शासन कार्यक्रम के सहयोगियों के साथ संवाद कार्यक्रम में सम्मिलत हुए। उन्होंने मुख्य समारोह स्थल पर विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन किया: राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने चन्द्रपुरा में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन किया। स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग के तत्वाधान में संयुक्त रूप से शिविर आयोजित किए गए। अवलोकन के दौरान उन्होंने चिकित्सकों और आयुर्वेद के अधिकारियों से संवाद किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल चन्द्रपुरा में गुड्डो बाई के घर पहुंचे और उनके परिवार के लोगों के साथ भोजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर मुख्यमंत्री निवास में आरोग्य के देवता भगवान धन्वंतरि का पूजन कर प्रदेशवासियों की आरोग्यता एवं स्वास्थ्य की कामना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा विज्ञान है अपितु स्वस्थ जीवन जीने की कला भी है। उल्लेखनीय है कि आयुर्वेद को वैज्ञानिक, प्रमाण आधारित और समग्र चिकित्सा पद्धति के रूप में प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाता है।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर की सीट पर प्रियंका गांधी का प्रोजेक्ट

मतदान केंद्रों पर बनेंगे बूथ रक्षक, कम मार्जिन से हारी सीटों के लिए नया प्लान

भोपाल, नप्र। चुनावों में लगातार हार के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी जहां वोट चोरी के खिलाफ अभियान चलाकर बीजेपी और चुनाव आयोग को घेर रहे हैं, वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी देश की 5 विधानसभा सीटों पर हर बूथ मजबूत कार्यक्रम शुरू करने जा रहीं हैं। मप्र, उप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा की एक-एक विधानसभा सीटों को इस प्रोग्राम के लिए चुना गया है। कांग्रेस सूत्रों की मानें तो प्रियंका गांधी ने हर बूथ मजबूत कार्यक्रम के लिए मुरैना जिले की दिमनी विधानसभा सीट को चुना है। दिमनी से बीजेपी के कद्दावर नेता और मप्र के विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर विधायक हैं।

राजस्थान के बाड़मेर जिले की सिवाना से कांग्रेस के पूर्व विधायक और राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष गोपाराम मेघवाल को प्रियंका गांधी ने दिमनी की जिम्मेदारी सौंपी है।

कैसे हुआ विधानसभा सीटों का चयन : कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अलग-अलग राज्यों की 5 ऐसी विधानसभा सीटें इस कार्यक्रम के लिए चुनी हैं जहां पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कम अंतर से चुनाव हारी है। इस कार्यक्रम के लिए 25 ऐसी लोकसभा सीटें हैं जहां कांग्रेस कैंडिडेट्स की हार का अंतर 33 से 35 हजार के बीच रहा है। वहीं 30 सीटें ऐसी हैं जहां हार का अंतर 50 से 55 हजार के बीच रहा है।

20-20 बूथों के कलस्टर बनाए जाएंगे : इस कार्यक्रम के तहत चुने गए विधानसभा क्षेत्र में 20-20 बूथों के कलस्टर बनाए जाएंगे। हर कलस्टर बूथ रक्षक नियुक्त किया जाएगा। बूथ रक्षक को प्रियंका गांधी की टीम ट्रेनिंग देंगी। बूथ रक्षक अपने कलस्टर की बूथ समितियों के सदस्यों को गाइड करेगा। बूथ रक्षक ये सुनिश्चित करेंगे कि किस मतदान केन्द्र पर कितने मतदाताओं के नाम गलत जुड़े हुए हैं।

पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव की वोटर लिस्ट में चुनाव के दो महीने पहले काटे, जोड़े गए नामों का एनालिसिस करेंगे। बूथ रक्षक बीएलओ के साथ ये सुनिश्चित करेंगे कि एक भी सही वोटर मतदाता सूची से न छूटे और एक भी गलत नाम वोटर लिस्ट में शामिल न रहे।

एमपी में दिमनी सीट को ही क्यों चुना? इस प्रोजेक्ट को प्रियंका गांधी खुद लीड कर रहीं हैं। ऐसे में टीम के लिए दिल्ली से मुरैना आना ज्यादा आसान हो सकता है। मप्र में 2003 से भाजपा की सरकार होने के बावजूद चंबल में कांग्रेस मजबूत स्थिति में रही है। मुरैना-श्योपुर लोकसभा सीट में कुल 8 विधानसभा आती हैं, जिनमें से पांच विधानसभाओं श्योपुर, विजयपुर, जौरा, मुरैना और अंबाह में कांग्रेस के विधायक हैं, वहीं भाजपा के पाले में केवल तीन विधानसभा सबलगढ़, सुमावली और दिमनी सीटें हैं।

मुरैना लोकसभा चुनाव परिणाम पर भी नजर : मुरैना लोकसभा सीट पर 2024 में कांग्रेस कैंडिडेट सत्यपाल सिंह नीटू सिकरवार 52, 530 वोटों के अंतर से चुनाव हारे थे। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के करीबी बीजेपी प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर मुरैना से सांसद बने थे।

इतवारा कलारी के पास दबिश, पुलिस ने पकड़ा गांजा तस्कर

1 किलो 842 ग्राम माल जब्त, तलैया पुलिस की कार्रवाई

भोपाल, नप्र। थाना तलैया पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए शनिवार देर रात एक युवक को 1 किलो 842 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 27 हजार रुपए बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी और डीसीपी जोन-3 अभिनव चौकसे के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। एडीसीपी जोन-3 शालिनी दीक्षित और एसीपी कोतवाली चन्द्रशेखर पाण्डेय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी दीपक डहेरिया ने विशेष टीम गठित कर तलैया क्षेत्र में दबिश दी। इस दौरान इतवारा कलारी के पास रहने वाले नीलेश संकत को 1.842 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया।

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड- पुलिस जांच में पता चला कि नीलेश संकत के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2023 में मंगलवारा थाने में मारपीट व धमकी का मामला दर्ज हुआ था। इसी साल तलैया थाने में बीएनएस की धाराओं में कार्रवाई की जा चुकी है। अब गांजा तस्करी के मामले में तीसरा अपराध दर्ज किया गया है।

कूलर से करंट लगने से मासूम की मौत,तीन महीने पहले कराया था स्कूल में एडमिशन, खेलते समय हुआ हादसा

भोपाल, नप्र। भोपाल के बजरिया में आज सुबह नौ बजे खेलते समय एक बच्चे को कूलर से करंट लग गया। बेसुध होने के बाद परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। हमीदिया हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पीएम के बाद बॉडी सोमवार दोपहर को परिजनों को सौंप दी गई है। पुलिस के मुताबिक मोहम्मद साहिल (4) पुत्र मोहम्मद शहजाद कपड़ा मील की चाल चांदबड़ स्टेशन बजरिया में रहता था। उसके पिता फ्रूट का कारोबार करते हैं, मां गृहिणी हैं और दो साल का छोटा भाई सोहेल है।

कूलर के पीछे छिपना चाहता था मासूम- दोनों भाई सोमवार (आज) सुबह घर में खेल रहे थे। तभी एक कमरे में रखे चालू कूलर के पीछे साहिल ने भाई से छिपना चाहा। इस कूलर पर हाथ लगाते ही साहिल को जोरदार शॉक लग गया। करंट लगने से साहिल बेसुध हो गया। तत्काल परिजनों ने उसे हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष में फार्मेसी महोत्सव मनाया गया

भोपाल, नप्र। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष में फार्मेसी महोत्सव मध्यप्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले हिंदी भवन भोपाल में श्री भगवानदास सबनानी जी विधायक दक्षिण -पश्चिम भोपाल के मुख्य आतिथ्य में,श्री एस बी सिंह जी प्रांताध्यक्ष मध्यप्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की अध्यक्षता में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल के विशेष आतिथ्य मे प्रदेश के फार्मासिस्ट भोपाल में एकत्रित होकर इस दिवस को समारोह के रुप में मनाया। इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम अंतर्गत विश्व फार्मासिस्ट सप्ताह के रूप में 19 सितंबर से 25 सितंबर 2025 तक मनाया जाएगा। कार्यक्रम मे मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का वार्षिक कैलेंडर का विमोचन भी माननीय विधायक श्री भगवानदास सबनानी जी द्वारा किया गया।

भोपाल में गरबा पंडालों पर लिखा-जेहादियों का आना मना

विवादित होर्डिंग्स लगाएं; हिंदू संगठन बोले- पकड़े जाने पर घर वापसी कराई जाएगी

भोपाल, नप्र। नवरात्रि की शुरुआत के साथ राजधानी भोपाल के अवधपुरी इलाके में श्री कृष्ण सेवा समिति के गरबा पंडाल के बाहर लगाए गए विवादित होर्डिंग ने माहौल गरमा दिया है। हिंदू संगठनों द्वारा लगाए गए इन पोस्टरों पर लिखा है जिहादियों का आना सख्त मना है, पकड़े जाने पर घर वापसी कराई जाएगी। होर्डिंग में जूते-चप्पल और लाठी की तस्वीरें भी छपी हैं, जिन्हें देखकर आसपास के लोगों में मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इसके साथ ही वहां मौजूद कुछ युवकों ने विवादित और अपमानजनक नारे भी लगाए, जिनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। श्री कृष्ण सेवा समिति के अध्यक्ष गोपाल तोमर ने कहा, जो सनातन धर्म में विश्वास रखते हैं, मां-बहनों का सम्मान करते हैं, देवी को देवी मानते हैं, उनका स्वागत है। परंपराओं का अपमान करने वालों को रोकने के लिए यह नियम बनाए गए हैं।

पंडाल के बाहर युवकों को लाठी-डंडों के साथ खड़ा देखा गया। जो हमारी मां बहनों को अपनी मां बहन की तरह पूजे, माने और देवी को देवी माने उसकी यहां एंट्री है।

जो गंगाजल पीता है, जो कलावा बांधता है, जो तिलक लगाता है, जो वराह देवता को प्रणाम कर सकता है, उन सभी का सनातन में स्वागत है।ऐसा नहीं होने पर आप अगर पकड़ा जाते हैं तो आपको हम सनातन वापस लाएंगे और नहीं आते हैं तो आप ने यह देखा है जूते चप्पल लठ सबसे उनका स्वागत किया जाएगा।

पंडाल में प्रवेश के लिए समिति ने पांच नियम तय किए

- माथे पर तिलक, हाथों में कलावा
- आधार कार्ड की जांच
- गंगाजल-गोमूत्र का आचमन
- वराह देवता व मां दुर्गा की तस्वीर को नमन करना।

भोपाल मंडल होकर गुजरेंगी विभिन्न गंतव्यों के लिए पूजा स्पेशल ट्रेनें

भोपाल, नप्र। रेलवे द्वारा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा त्यौहारों पर यात्रियों की सुविधा हेतु एवं उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए स्पेशल फेयर पर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेनें भोपाल मंडल के स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:-

1) ट्रेन संख्या 09033/09034 उधना-बरौनी-उधाना स्पेशल (द्वि-साप्ताहिक) : ट्रेन संख्या 09033 उधना - बरौनी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को उधना से 20:35 बजे प्रस्थान करेगी और क्रमशः गुरुवार और सोमवार को 05:00 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 20 सितंबर से 07 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09034 बरौनी- उधना स्पेशल प्रत्येक गुरुवार और सोमवार को बरौनी से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 09 अक्टूबर 2025 तक चलेगी.यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे

2) ट्रेन 09067/09068 उधना-जयनगर-उधना स्पेशल (साप्ताहिक) 6 फेरे: ट्रेन संख्या 09067 उधना - जयनगर स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 12:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:30 बजे जयनगर पहुँचेगी। यह ट्रेन 21 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09068 जयनगर - उधना स्पेशल प्रत्येक सोमवार को जयनगर से 23:30 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 12:30 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 6 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3) ट्रेन संख्या 09069/09070 उधना-समस्तीपुर-उधना स्पेशल (साप्ताहिक) 6 फेरे: ट्रेन संख्या 09069 उधना - समस्तीपुर स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 20:35 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 02:00 बजे समस्तीपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 21 सितंबर से 05 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर - उधना स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को समस्तीपुर से 05:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से 07 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर और एसी-3 टियर (इकोनॉमी)कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09041/09042 उधना-बलिया-उधना स्पेशल (साप्ताहिक) 6 फेरे: ट्रेन संख्या 09041 उधना - बलिया स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 06:40 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:15 बजे बलिया पहुंचेगी। यह ट्रेन 25 सितंबर से 09 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख?या 09042 बलिया-उधना स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 23:30 बजे बलिया से प्रस्थान करेगी और रविवार को 12.45 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, विश्वामित्री, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंज बासौदा, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी, फ़तेहपुर, प्रयागराज जंक्शन, मिर्ज़ापुर, चुनार, वाराणसी, जौनपुर, औंड़िहार और ग़ाज़ीपुर सिटी स्टेशनों पर रुकेगी।

राजा भोज मल्टी क्लास सेलिंग चैंपियनशिप का समापन

मंत्री श्री सारंग ने विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित,मध्यप्रदेश वॉटर स्पोर्ट्स सेलिंग अकादमी को मिला पहला स्थान

भोपाल, नप्र। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि वॉटर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। इसका प्रमाण श्रीनगर में देश के पहले खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में हमारे खिलाड़ियों द्वारा प्राप्त प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने अनेक पदक जीतकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है।

मंत्री श्री सारंग रविवार को अपर लेक खानूगांव में राजा भोज मल्टी क्लास सेलिंग चैंपियनशिप-2025 के समापन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेल अकादमियों से उत्कृष्ट खिलाड़ियों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि खेलों से जुड़ने वाले युवा केवल अच्छे खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी बनते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिये लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश में 18 खेलों के लिए 11 खेल अकादमियां संचालित की जा रही हैं, जहाँ खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन

राजा भोज मल्टी क्लास सेलिंग चैंपियनशिप 2025 में मध्यप्रदेश वॉटर स्पोर्ट्स सेलिंग अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 08 स्वर्ण, 05 रजत और 03 कांस्य सहित कुल 16 पदक अपने नाम किए। कुल 12 केटेगरी में भाग लेते हुए मध्यप्रदेश ने 8 में स्वर्ण पदक प्राप्त किए और सबसे अधिक पदक जीतकर प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के 4 स्वर्ण पदक देश के अन्य क्लबों, एसोसिएशनों और राज्यों के खिलाड़ियों ने प्राप्त किए। इस प्रकार एमपी वॉटर स्पोर्ट्स सेलिंग अकादमी ने इस प्रतियोगिता में क्लीन स्वीप करते हुए सर्वाधिक पदक अर्जित किए और अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

डॉक्टर राजेश तिवारी की झरोखे यादों के संस्मरण पुस्तक लोकार्पित

डॉक्टर राजेश तिवारी के संस्मरण अपने समय के जीवंत दस्तावेज हैं : यतीन्द्र नाथ राही

भोपाल, नप्र। दुष्यंत स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय में तुलसी साहित्य अकादमी भोपाल की सृजन श्रृंखला 49- के अंतर्गत - डा.राजेश तिवारी, संभागीय अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी, संभाग नर्मदापुरम, के संस्मरण संग्रह झरोखे यादों के एवं वरिष्ठ साहित्यकार, चिंतक, विवेचक तथा तुलसी साहित्य अकादमी के समर्थ संयोजक वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश पटवा जी की कृति हम्पी-किष्किंधा और गंगा सागर यात्रा वृत्तांत, का लोकार्पण एवं समीक्षात्मक विमर्श कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मोहन तिवारी आनंद ने की, शिक्षाविद् एवं वरिष्ठ गीतकार श्री यतीन्द्र नाथ राही जी के मुख्य अतिथि और प्रसिद्ध साहित्यकार थे। म.प्र.शासन पर्यटन धर्मश्व एवं मेला प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा रामायण केन्द्र भोपाल के अध्यक्ष डा.राजेश श्रीवास्तव के सारस्वत आतिथ्य तथा वरिष्ठ साहित्यकार, व्यंग्यकार, कहानीकार , उपन्यासकार श्री घनश्याम सक्सेना जी एवं बहुआयामी लेखक प्रोफेसर डा.दिनेश श्रीवास्तव के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। माता सरस्वती के पूजन अर्चन तथा दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत श्रीमती सुनीता शर्मा सिद्धी द्वारा सरस्वती वंदना पाठ उपरांत मंचस्थ अतिथियों का स्वागत -सत्कार किया गया मुख्य अतिथि - वरिष्ठ साहित्यकार श्री यतीन्द्र नाथ राही जी ने झरोखे यादों के संस्मरणों को डा.राजेश तिवारी की अनौखी यादों और उनके प्रस्तुतीकरण को अद्वितीय संज्ञा दी। सर्वप्रथम डा.राजेश तिवारी जी की कृति यादों के संस्मरण संग्रह झरोखे यादों के का मंचस्थ अतिथियों द्वारा लोकार्पण किया गया। कृति के लेखक डा.राजेश तिवारी ने लोकार्पित कृति से संस्मरणों का हृदय स्पर्शी पाठन किया, जिन्हें पुरजोर सराहनाएं मिलीं। श्री चंद्रभानु सिंह पंवार चंदर ने झरोखे यादों के संस्मरण संग्रह की सविस्तार समीक्षा की और डा.राजेश तिवारी की स्मरण शक्ति और स्मरण संयोजन शैली की पुरजोर सराहना की।

महेश बाबू-राजामौली की 1000 करोड़ी फिल्म में रणबीर की एंट्री

RRR की सफलता के बाद से ही राजामौली का पूरा फोकस अगली फिल्म पर था. जिसपर फिलहाल काम हो रहा है. कुछ शेड्यूल कंप्लीट किए जा चुके हैं, तो कुछ की तैयारी है. राजामौली ने प्रभास, राम चरण और जूनियर NTR के बाद महेश बाबू पर दांव खेला है. जिनकी यह पहली पैन इंडिया फिल्म होगी. SSMB29 इंडियन सिनेमा का एक बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसे 1000 करोड़ के बजट से तैयार किया जा रहा है. प्रियंका चोपड़ा भी महेश बाबू के अपोजिट काम कर रही हैं, जो लगातार इंडिया आ रही हैं ताकि जल्द ही काम कंप्लीट किया जा सके. अब खबर आ रही है कि फिल्म में रणबीर कपूर की एंट्री हो गई है.सोशल मीडिया पर रणबीर कपूर और राजामौली के कोलैबोरेशन की खबर आग की तरह फैल रही है. कहा जा रहा है कि रणबीर कपूर भी 1000 करोड़ी फिल्म का हिस्सा होंगे. जिसके बाद से ही तगड़ा बज भी बना हुआ है. दरअसल रणबीर कपूर पहले ही कई सॉलिड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं. 'एनिमल' के बाद से ही वो अपनी फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं. इसी बीच खबर आ रही है कि एक और प्रोजेक्ट मिल गया है. क्या है पूरा मामला? हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर खबर छपी. जिससे पता लगा कि राजामौली ने फिल्म के दूसरे हिस्से में एक यूनिक एपिसोड डिजाइन किया है. ताकी दर्शकों को और भी बेहतर सिनेमैटिक एक्सपीरियंस दिया जा सके. रिपोर्ट है कि इस सीन के लिए उन्होंने रणबीर कपूर को चुना है. यह भी बताया गया कि रणबीर कपूर का फिल्म में छोटा रोल होगा, लेकिन सबसे असरदार रोल, जो कुछ ही देर में लोगों का ध्यान खींच लेगा. इसे फिल्म का एक बड़ा हाइलाइट भी बताया जा रहा है।

लोकाह चैप्टर 1 चंद्रा ने दुनियाभर में रचा इतिहास, एल2 एम्पुरान को दी मात

मलयालम एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन की फिल्म लोकाह चैप्टर 1 - चंद्रा ने पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाई है. और अपनी रिलीज़ के 26 दिनों के बाद भी इस फिल्म की कमाई की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है और ये करोड़ों में ही कारोबार कर रही है. वहीं मलयालम सिनेमा की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म ने अह अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है.यलोकाह चैप्टर 1 - चंद्रा ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया हुआ है. इस फिल्म ने रिलीज के तीन हफ्तों में खूब कमाई की और अब ये चौथे हफ्ते में पहुंच चुकी है और ये अब भी देश और दुनिया में धमाकेदार कमाई कर रही है. अपनी रिलीज़ के 26 दिनों में, इस फिल्म ने दुनिया भर में 271 करोड़ रुपये से ज़्यादा की कमाई कर इतिहास रच दिया है. इसके साथ ही, लोकाह चैप्टर 1 - चंद्रा ने सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म एल2 एम्पुरान के 266 करोड़ रुपये के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है. वहीं अब कल्याणी प्रियदर्शन की फिल्म सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई है।इतना ही नहीं, लोकाह चैप्टर 1 - चंद्रा ने सिर्फ़ केरल में ही सौ करोड़ रुपये से ज़्यादा की कमाई कर ली है. यानी देश की अन्य भाषाओं को छोड़कर, फ़िल्म ने सिर्फ़ मलयालम में ही 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है. यह अपने आप में फ़िल्म के लिए एक बड़ी उपलब्धि है.वहीं चौथे हफ्ते में पहुंचने के बाद इसने चौथे फ्राइडे मलयालम में 1.5 करोड़, चौथे शनिवार 2.65 करोड़ और चौथे रविवार 3.4 करोड़ का कलेक्शन किया.वही सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक चौथे मंडे यानी 26वें दिन इसने सभी भाषाओं में 1.20 करोड़ कमाए हैं.इसी के साथ लोकाह चैप्टर 1 - चंद्रा की सभी भाषाओं में कुल कमाई 139.05 करोड़ रुपये हो गई है।लोकाह चैप्टर 1 - चंद्रा का निर्देशन डोमिनिक अरुण ने किया है। यह फिल्म अभिनेता दुलकर सलमान के प्रोडक्शन हाउस वेफेयरर फिल्म्स द्वारा निर्मित है। फिल्म में कल्याणी प्रियदर्शन और नसलेन के गफूर मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अनुपमा की समधन का होगा बुरा हाल खून के आंसू रोने को मजबूर होगी ख्याति

रुपाली गांगुली के शो अनुपमा की कहानी दिन प्रतिदिन और भी मजेदार होती जा रही है. अनुपमा की अच्छाई देख कोठारी परिवार के लोग बदल चुके हैं. शो में अभी तक देखने को मिला कि गौतम का पोल खोलने के बाद अनुपमा परिवार के लोगों को सच का आईना दिखाती है.हालांकि, वो अपनी बेटी राही से बिल्कुल बात नहीं करती. दूसरी तरफ अनुपमा से ख्याति बात करती है और कहती है कि पराग को सच्चाई क्यों नहीं बताई. अनुपमा से ख्याति ये भी कहती है कि बेटे की मौत के बाद वो बदल चुकी हैं. शो के अपकमिंग एपिसोड में परिवार के सामने ख्याति अपनी सच्चाई बताएगी.वो बताएगी कि कैसे उसने अनुपमा की आई ड्रॉप बदली थी. ख्याति के इस खुलासे से परिवार के लोग हैरान हो जाएंगे. पराग को सदमा लगेगा तो राही अपनी सास ख्याति पर भड़क जाएगी. इस दौरान वसुंधरा भी ख्याति का साथ नहीं देने वाली है. इधर, प्रेम का भी गुस्सा ख्याति पर फूटने वाला है.वो कहेगा कि बदले के चक्कर में ख्याति ने अनुपमा के संग बहुत की गलत किया है. राही भी कहती है कि आपके बदले के चक्कर में मम्मी अंधी हो सकती थी. रिपोर्ट के अनुसार अपना सामान लेकर ख्याति घर से निकल जाएगी. लेकिन, राही उसे रोक लेगी.इस दौरान प्रेम ये सोचेगा कि काश मां की तरह की राही भी अनुपमा को एक मौका दे देती. राही अपने कमरे में बैठकर खूब रोने वाली है. इस दौरान राही को याद आएगा कि अनुपमा को ख्याति की वजह से कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। राही को ये भी याद आने वाला है कि अनुपमा डांस करते वक्त लगभग स्टेज से गिरने वाली थी.इधर, शाह हाउस में चोर घुसने वाला है. वो किंजल के कमरे से सामान गायब करेगा. अनुपमा साए की तरह उस चोर का पीछा करेगी।

क्लीन चिट के बाद भी पुरानी जिंदगी नहीं लौट पाई, रिया ने बयां किया दर्द

रिया चक्रवर्ती ने सुनाई जेल के जीवन की दास्तान

साल 2020 हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए गहरे सदमे वाला साल रहा। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की असमय मौत ने पूरे देश को दुखी कर दिया था। इस मामले ने न केवल सुशांत के फैंस को गहरे दुख में डाला, बल्कि उनकी करीबी दोस्त एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को भी जीवनभर का दर्द दिया। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान रिया ने खुलकर अपने अनुभव शेयर किए और बताया कि किस तरह इस घटना ने उनकी और उनके परिवार की जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया। उन्होंने जेल के अपने अनुभवों पर भी खुलकर बात की। सुशांत की मौत के बाद रिया पर गंभीर आरोप लगे। मीडिया ट्रायल और सोशल मीडिया पर नफरत ने उनके जीवन को जैसे तहस-नहस कर दिया। कई महीनों तक चले जांच-पड़ताल और विवादों के बीच अंतत: सीबीआई ने उन्हें और उनके परिवार को क्लीन चिट दे दी। हाल में दिए गए एक इंटरव्यू में रिया के अनुसार, यह राहत पूरी तरह खुशी नहीं थी। उनके शब्दों में, जब क्लीन चिट मिली तो मुझे अपने लिए खुशी नहीं हुई। मैं सिर्फ अपने माता-पिता के लिए खुश थी, क्योंकि उनकी इज्जत दांव पर लगी थी। लेकिन अफसोस तो यह है कि हमारी पुरानी जिंदगी कभी लौटकर नहीं आएगी।रिया ने जेल में 28 दिन बिताए। उन्होंने बताया कि यह अनुभव उनके लिए जीवन बदल देने वाला साबित हुआ। जेल ने उन्हें यह अहसास कराया कि परिवार और रिश्ते कितने कीमती होते हैं। उन्होंने कहा, जेल में आपको कोई नहीं पूछता कि आपने खाना खाया या नहीं। वहां इंसान को सबसे ज्यादा अपने घर वालों की याद सताती है। उन्होंने यह भी माना कि जेल की जिंदगी ने उन्हें छोटी-छोटी चीजों का

जन्नत जुबैर ने अपने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर मचाया तहलका

जन्नत जुबैर ने अपने नए लुक से इंटरनेट पर धूम मचा दी है, जिसमें वह एक स्टाइलिश चॉकलेट ब्राउन गाउन पहने नजर आ रही हैं। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर इसलिए वायरल हो रहा है, क्योंकि गाउन का ट्रेंडी डिजाइन और उन पर सूट करता रंग, उनके लाखों फॉलोअर्स को बहुत पसंद आ रहा है। टेलीविजन अभिनेत्री और सोशल मीडिया सेंसेशन जन्नत जुबैर रहमानी ने हाल ही में अपने ग्लैमरस लुक से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह एक शानदार चॉकलेट ब्राउन गाउन में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को देखकर उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

जन्नत ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें वह एक सिंगल-स्ट्रैप चॉकलेट ब्राउन गाउन पहने हुई हैं, जिसमें एक साइड पर थाई-हाई स्लिट भी है। यह गाउन उन पर बहुत ही खूबसूरत लग रहा है, और उन्होंने अपने लुक को सिंपल लेकिन एलिगेंट रखा है।मेकअप उन्होंने अपने मेकअप को न्यूट्रल टोन में रखा है, जिसमें स्मोकी आईज और न्यूड लिप्स शामिल हैं।

हेयरस्टाइल जन्नत ने अपने बालों को खुला छोड़ा है, जो उनके पूरे लुक में चार-चांद लगा रहा है।एक्सेसरीज़ उन्होंने अपने लुक को पूरा करने के लिए मैचिंग हील्स और कुछ गोल्ड ज्वेलरी पहनी हैं।चॉकलेट ब्राउन कलर एक ऐसा रंग है जो बहुत कम लोग पहनते हैं, लेकिन यह जन्नत पर बहुत सूट कर रहा है। यह रंग न सिफजन्नत के इस नए अवतार को देखकर उनके फैंस दीवाने हो गए हैं। उनकी पोस्ट पर हजारों कमेंट्स आ रहे हैं, जिसमें लोग उनकी खूबसूरती और ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप बहुत प्यारी लग रही हैंज हमेशा हमारी प्रेरणा बनी रहेंगी। दूसरे यूजर ने कमेंट किया, यह रंग आप पर बहुत सूट कर रहा है। एक और फैन ने लिखा, आप बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं।

जन्नत जुबैर ने बहुत ही कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा था। वह 'फुलवा' और 'तू आशिकी' जैसे टीवी सीरियल्स से घर-घर में मशहूर हुईं। इसके अलावा, वह सोशल मीडिया पर भी बहुत लोकप्रिय हैं, जहाँ उनके लाखों फॉलोअर्स हैं। जन्नत अक्सर अपने डांस वीडियोज और फैशन सेंस से फैंस का दिल जीतती रहती हैं।

फीके पड़ गए शाहीन अफरीदी

उन्हें ब्रेक की जरूरत है: दानिश कनेरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तानी गेंदबाज शाहीन अफरीदी विकेट को तरसते नजर आए। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया की सलाह है कि शाहीन अफरीदी को तरोताजा होने के लिए क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लेना चाहिए। इस तेज गेंदबाज ने रविवार को भारत के खिलाफ 3.5 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 40 रन लुटाए, लेकिन एक भी बल्लेबाज को अपना शिकार नहीं बना सके।

कनेरिया के मुताबिक इस तेज गेंदबाज को तीनों फॉर्मेट में नहीं खेलना चाहिए। उन्हें अपनी गेंदबाजी पर फोकस करने के लिए एक या दो फॉर्मेट से बाहर रहना चाहिए। कनेरिया ने सोमवार को कहा, उम्र एक बात है, लेकिन पीसीबी उन्हें तीनों फॉर्मेट में नहीं खिला सकता। उन्हें तय करना होगा कि वह किस फॉर्मेट में खेलेंगे। मुझे लगता है कि उन्हें फैसला लेना चाहिए। उन्हें कहना चाहिए कि वह सिर्फ टी20 और वनडे खेलेंगे। उन्हें टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए, क्योंकि वह उस फॉर्मेट में कुछ खास नहीं करते। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मुझे लगता है कि शाहीन अफरीदी को क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लेना चाहिए। वह छुट्टी पर जाएं, आराम करें और वापस आएं। वह थोड़े फीके पड़ गए हैं। मुझे लगता है कि उन्हें एक ब्रेक की जरूरत है। शायद कुछ महीनों के ब्रेक की जरूरत है। अगर आप बहुत ज्यादा क्रिकेट खेलते हैं, तो आप नीरस हो जाते हैं। वापसी के लिए आपको एक ब्रेक की जरूरत होती है। भारत ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवरों के खेल में 5 विकेट खोकर 171 रन बनाए। टीम के लिए साहिबजादा फरहान ने 45 गेंदों में 58 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से शिवम दुबे ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले। इसके जवाब में टीम इंडिया ने 18.5 ओवरों में 6 विकेट शेष रहते जीत दर्ज कर ली। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 39 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 74 रन बनाए, जबकि शुभमन गिल ने 28 गेंदों में 47 रन की पारी खेली।

जोहोर कप हॉकी में भारतीय जूनियर टीम की कप्तानी करेंगे रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के कोच पी आर श्रीजेश ने कहा, टीम सुल्तान जोहोर कप की अच्छी तैयारी कर रही है। हमारे पास अच्छी टीम है और जूनियर विश्व कप को देखते हुए यह तैयारी का अच्छा मौका होगा जिसमें मजबूत टीमों के खिलाफ खुद को आंक सकेंगे। डिफेंडर रोहित 11 अक्तूबर से मलयेशिया में हो रहे सुल्तान जोहोर कप टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे और उनका लक्ष्य पिछली बार के कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट 18 अक्तूबर को खत्म होगा और यह 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के लिए अहम होगा। भारत को 11 अक्तूबर को ब्रिटेन से खेलना है जबकि 12 अक्तूबर को सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत और पाकिस्तान का सामना 14 अक्तूबर को होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया से 15 अक्तूबर को मैच है। राउंड रॉबिन चरण में आखिरी मैच 17 अक्तूबर को मलयेशिया से खेलना है। राउंड रॉबिन चरण से शीर्ष दो टीमें 18 अक्तूबर को फाइनल खेलेंगी।

उसैन बोल्ट एक अक्तूबर को भारत में खेलेंगे एग्जिबिशन फुटबॉल मैच, मुंबई में होगा मुकाबला

मुंबई, एजेंसी। बोल्ट बेंगलुरु एफसी और मुंबई सिटी एफसी दोनों के लिए एक-एक हाफ में खेलेंगे। फैंस को इस मैच के लिए टिकट खरीदने होंगे। महान फर्राटा धावक उसैन बोल्ट एक अक्तूबर को एक नुमाइशी फुटबॉल मैच के लिये भारत आएंगे। आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता महानतम खिलाड़ियों में से एक बोल्ट महान फुटबॉल खिलाड़ियों, बॉलीवुड हस्तियों और अन्य जाने माने लोगों के साथ फुटबॉल मैच खेलेंगे। बोल्ट बेंगलुरु एफसी और मुंबई सिटी एफसी दोनों के लिए एक-एक हाफ में खेलेंगे। वह 30 सितंबर से शुरू हो रहे प्यूमा के दो दिवसीय जश्न के सिलसिले में यहां आ रहे हैं। फैंस को इस मैच के लिए टिकट खरीदने होंगे। प्यूमा भारत के प्रबंध निदेशक कार्तिक बालागोपालन ने कहा, हमारा मानना है कि खेलों में समुदायों को प्रेरित करने और एकजुट करने की ताकत है। फुटबॉल भारतीय युवाओं में सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है और उसेन बोल्ट को यहां फुटबॉल खेलने के लिये बुलाकर हम इसका जश्न मनाना चाहते हैं।

फुटबॉल के प्रति बोल्ट का जुनून

ट्रैक से बाहर भी बोल्ट हमेशा फुटबॉल के लिए जुनूनी रहे हैं। बचपन में वह अक्सर फुटबॉल खेलते थे और मैदान पर अपनी रफ्तार और स्किल दिखाने का सपना देखते थे। एथलेटिक्स से संन्यास लेने के बाद भी उन्होंने इस खेल को गंभीरता से अपनाया, ट्रेनिंग की, ट्रायल और एग्जिबिशन मैच खेले और गोल भी दागे।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

दर्द के बावजूद उगेबाउर ने डेकाथलॉन में स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो, एजेंसी। जर्मन धावक लियो न्यूगेबाउर ने दर्द के बावजूद डेकाथलॉन की अंतिम स्पर्धा में 1,500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। दौड़ पूरी करने के बाद न्यूगेबाउर ट्रैक पर ही लेट गए थे। 2024 ओलंपिक रजत पदक विजेता के हिलने-डुलने में असमर्थ होने पर अधिकारियों ने उनके लिए व्हीलचेयर निकाली। लेकिन नेउगेबाउर ने खुद को फिर से खड़ा कर लिया। उन्होंने कहा, मुझे पिछली दौड़ के बाद जितना बुरा लगा था, उतना पहले कभी नहीं लगा था, लेकिन मैं व्हीलचेयर पर ट्रैक नहीं छोड़ना चाहता था।

4 मिनट 31.89 सेकंड के समय के साथ उन्होंने कुल 8,804 अंक हासिल किए, जिससे उन्होंने प्यूर्टो रिको के आयडेन ओवेन्स-डेलेमें (8,784) और अमेरिकी काइल गारलैंड (8,703) को पीछे छोड़ दिया। पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी के निकलास कौल चौथे स्थान पर रहे। नेउगेबाउर अपनी मां डायना और पिता टेरेंस को गले लगाने के लिए स्टैंड पर चढ़ गए।

गोर्लिट्ज में जन्मे और स्टटगार्ट में पले-बढ़े, नेउगेबाउर एक खेल-प्रेमी परिवार में पले-बढ़े। उनके पिता, जो कभी फुटबॉल के शौकीन थे, ने उन्हें एथलेटिक्स में हाथ आजमाने के लिए प्रोत्साहित किया। 15 साल की उम्र से वह ट्रैक और फील्ड पर ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं। इस फैसले के कारण उन्हें छात्रवृत्ति पर ऑस्टिन स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय में दाखिला मिला, जहां वे प्रशिक्षण के साथ-साथ अर्थशास्त्र की पढ़ाई भी कर रहे हैं। लियो द जर्मन उपनाम से मशहूर, 2.01 मीटर के इस एथलीट ने प्रतिभा और अथक परिश्रम के मेल के लिए अपनी ख्याति अर्जित की है। उनके कोच जिम गानैहैम ने कहा, मैं कुछ भी जादू नहीं करना चाहता, लेकिन अगर सब कुछ ठीक रहा, तो लियो वो कर सकता है जो कोई और नहीं कर सकता।

विश्व खिताब हासिल करने के बाद, न्यूगेबाउर ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर कोई संदेह नहीं छोड़ा। उन्होंने 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की ओर इशारा करते हुए कहा, अभी और भी बहुत कुछ आना बाकी है। 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक को वह पहले से ही अपना घरेलू मैदान मानते हैं।

भारत को 'आग और बर्फ' का मिश्रण मिल गया है, अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को लेकर बोले सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि जिगरी दोस्त अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के बल्लेबाजी के विपरीज अंदाज से भारतीय टी20 क्रिकेट को 'आग और बर्फ' का संयोजन मिल गया है। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के सुपर 4 मैच में जीत के लिए 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दस साल की उम्र से साथ खेल रहे दोनों दोस्तों ने 105 रन की साझेदारी की। अभिषेक ने 39 गेंद में 74 रन बनाये जबकि गिल ने 28 गेंद में 47 रन जोड़े। सूर्यकुमार यादव ने छह विकेट से मिली जीत के बाद कहा, 'यह आग और बर्फ जैसा संयोजन है। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। यही मैं देखना चाहता हूं। अगर एक जबर्दस्त बल्लेबाजी कर रहा है तो दूसरा सहायक की भूमिका निभाकर स्ट्राइक रोटेट कर सकता है। हमें अच्छी शुरुआत की जरूरत थी और दोनों ने वह दी।'

अंडर-12 के समय से साथ खेल रहे अभिषेक और शुभमन - पंजाब में अंडर 12 के दिनों से साथ खेल रहे अभिषेक और गिल एक दूसरे के खेल को बखूबी जानते हैं और मौके के हिसाब से भूमिकाएं बदल लेते हैं। सूर्यकुमार का मानना है कि मैदान के बाहर की अच्छी दोस्ती मैदान पर आपसी समझ में भी परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा, 'मैदान के बाहर अच्छे दोस्त होना जरूरी है। जब आप पारी की शुरुआत कर रहे हैं तो यह समझ काफी जरूरी है। एक रन लेने के लिए एक नजर का इशारा ही काफी होता है। जब ये दोनों साथ में बल्लेबाजी करते हैं तो इनकी दोस्ती दिखती है।'

कोरोना में युवराज के घर पर रहकर सीखी खेल की बारीकियां - कोरोना काल में दोनों चंडीगढ़ में युवराज सिंह के घर पर थे और साथ में अभ्यास किया करते थे। सूर्यकुमार ने अभिषेक के बारे में कहा, 'अभिषेक काफी निस्वार्थ बल्लेबाजी करता है। पावरप्ले में वह आक्रामक खेलता है और उसके बाद भी उसे पता है कि क्या जरूरी है। वह हालात का आकलन करके मैच दर मैच सीख रहा है। वह अभ्यास कभी नहीं चूकता।' शुभमन गिल के बारे में उन्होंने कहा, 'शुभमन के बारे में सभी को पता है कि वह कैसा खिलाड़ी है। मैं इतना ही कहूंगा कि उसे पता है कि रन कैसे बनाना है। उनसे आज अपने शॉट्स पर भरोसा करके जोखिम कम लिया।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल:

अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ सबसे तेज 50 छक्कों का रिकॉर्ड, गुरु को पीछे छोड़ा

अभिषेक शर्मा ने रविवार को दुबई में एशिया कप 2025 के सुपर 4 मुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराने के दौरान विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। अभिषेक शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबदबा बनाते हुए 39 गेंदों में 74 रन बनाए। इस पारी के दौरान अभिषेक ने गेंदों के हिसाब से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 50 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। अभिषेक शर्मा ने मात्र 331 गेंदों में सबसे तेज 50 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की, जो पहले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज इविन लुईस (366 गेंदों) के नाम था। आंद्रे रसेल (वेस्टइंडीज) तीसरे, हजरतुल्लाह जजई (अफगानिस्तान) चौथे और सूर्यकुमार यादव (भारत) 5वें स्थान पर हैं। अभिषेक 350 गेंदों से कम में 50 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। यही नहीं, उन्होंने अपने गुरु युवराज सिंह का भी रिकॉर्ड तोड़ा है। शर्मा ने दुबई क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ 24 गेंद पर अर्धशतक लगाया।

यह टी-20 में पाकिस्तान के खिलाफ किसी भारतीय का सबसे तेज अर्धशतक है। पहले यह रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम था, जिन्होंने 2012 में अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था। अभिषेक को उनकी विस्फोटक पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अभिषेक शर्मा ने शुभमन गिल के साथ मिलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9.5 ओवर में 105 रन जोड़कर भारत का एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ चल रहा ऑपरेशन व्हाइट बॉल सफलतापूर्वक पूरा किया। अभिषेक ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा, आज सब कुछ साफ था। जिस तरह वे बिना वजह हम पर हावी होने की कोशिश कर रहे थे, मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसी कारण मैंने उनके खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। मैं टीम के लिए योगदान देना चाहता था।

उन्होंने गिल के साथ साझेदारी पर कहा, हम स्कूल के दिनों से साथ खेलते हैं। हम एक-दूसरे को समझते हैं। हमने सोचा था कि हम यह कर सकते हैं और आज वह दिन था। जिस तरह वह जवाब दे रहे थे, मुझे बहुत अच्छा लगा। अगर आप किसी को इस तरह खेलते हुए देखते हैं, तो इसका मतलब है कि टीम समर्थन करती है और साथ देती है। यही मेरा इरादा है, मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और अगर मेरा दिन है, तो मैं अपनी टीम के लिए जीत हासिल करूंगा।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 5वीं बार जीता सीपीएल

कायरन पोलार्ड ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, चैंपियन बनी शाहरुख खान की टीम

गुयाना, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 का फाइनल मुकाबला त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना एमेजॉन वॉरियर्स के बीच आज यानी 22 सितंबर को प्रोविडेंस स्टेडियम में खेला गया। रोमांचक फाइनल में त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने एमेजॉन वॉरियर्स को हरा दिया। बता दें कि पांचवीं बार नाइट राइडर्स ने सीपीएल का खिताब अपने नाम किया। वहीं इस मैच में वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी कायरन पोलार्ड ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। बता दें कि त्रिनबागो नाइट राइडर्स कोलकाता नाइट राइडर्स की ही एक फ्रेंचाइजी है, जिसके मालिक बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान हैं।

गुयाना एमेजॉन ने टॉस जीतकर चुनी थी बल्लेबाजी - गुयाना एमेजॉन वॉरियर्स के कप्तान इमरान ताहिर ने फाइनल में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। हालांकि, वे 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 130 रन ही बोर्ड पर लगा पाए। इफ्तिखार अहमद ने सर्वाधिक 30 रन बनाए। अंत में 25 रन ड्वेन प्रीटोरियस ने भी बनाए। नाइट राइडर्स के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट सौरभ नेत्रवल्कार ने लिए। 2 विकेट अकील हुसैन को मिले जबकि 1-1 विकेट आंद्रे रसेल और उस्मान तारिक ने लिया।

- **कायरन पोलार्ड ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड** - वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी कायरन पोलार्ड ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह टी20 में 400 कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। पोलार्ड के नाम अब 718 टी20 मुकाबलों में 401 कैच हो गए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर 320 कैच के साथ डेविड मिलर हैं।
- **12 बॉल पहले त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने चेज कर दिया टारगेट** - 131 रन का टारगेट त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 3 विकेट रहते 18 ओवर में चेज कर लिया। एलेक्स हेल्ड ने सबसे ज्यादा 26 रन बनाए। इसके अलावा कॉलिन मनरो (23), सुनील नरेन (22), कायरन पोलार्ड (21) और अंत में अकील हुसैन ने 7 गेंदों पर नाबाद 16 रन की अच्छी पारी खेली। गुयाना एमेजॉन वॉरियर्स के लिए इमरान ताहिर ने 3 विकेट झटके। 2-2 विकेट ड्वेन प्रीटोरियस और शमार जोसेफ ने लिए।

साउथ अफ्रीका के दिग्गज ने खत्म किया ओडीआई रिटायरमेंट, सालभर से टी-20 भी नहीं खेला, अब पाकिस्तान दौरे के लिए हुआ सेलेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने वनडे रिटायरमेंट खत्म कर दिया. उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप के बाद इस फॉर्मेट को छोड़ दिया था. क्विंटन डिकॉक को अक्टूबर में पाकिस्तान दौरे के लिए साउथ अफ्रीकी टीम में चुना गया है. उन्हें वनडे और टी20 दोनों स्क्वॉड में रखा गया. डिकॉक साउथ अफ्रीका के लिए आखिरी बार टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में खेले थे. वहीं वनडे में उनका आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में था.

साउथ अफ्रीका ने मैथ्यू ब्रेत्जके की कप्तानी में वनडे स्क्वॉड चुनी है. वहीं टी20 टीम की कप्तानी डेविड मिलर को दी गई है. कॉर्बिन बॉश और डेवाल्ड ब्रेविस को छोड़कर बाकी सभी ऑल फॉर्मेट खिलाड़ियों को आराम दिया गया है. डोनोवान फरेरा, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जिया, डिकॉक को वनडे स्क्वॉड में रखा गया है. वहीं जॉर्ज लिंडे और ब्यॉर्न फॉर्टुइन की इस फॉर्मेट में वापसी हुई है. नेशल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर रहने वाले तबरेज शम्सी को किसी भी स्क्वॉड में जगह नहीं दी गई. ऐसा ही एनरिक नॉर्किया के साथ हुआ है.

टेम्बा बवुला चोटिल तो मार्करम बने कप्तान - साउथ अफ्रीका को पाकिस्तान में तीन वनडे, तीन टी20 मुकाबले खेलने हैं. इससे पहले दो टेस्ट की सीरीज होगी ।

संक्षिप्त खबरें

नवरात्रि के पहले दिन आटा खाने से 200 लोग बीमार, अस्पताल में हुए भर्ती

नई दिल्ली : उत्तर पश्चिम जिला के विभिन्न इलाके में कुट्टू का आटा खाने के बाद सैकड़ों लोग बीमार हो गए। सभी को बाबू जगजीवन राम अस्पताल में लाया गया। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि मंगलवार तड़के 6.10 बजे जहांगीरपुरी थाना पुलिस को बड़ी संख्या में लोगों के कुट्टू का आटा खाने के बाद बेचैनी की शिकायत किए जाने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस तुरंत बाबू जगजीवन राम अस्पताल पहुंची। जहां पूछताछ करने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विशेष यादव ने बताया कि जहांगीरपुरी, महेंद्र पार्क, समयपुर, भलस्वा डेयरी, लाल बाग और स्वरूप नगर जैसे इलाकों से लगभग 150-200 लोग उल्टी की शिकायत लेकर आपातकालीन वार्ड में आए थे। उन्होंने बताया कि सभी मरीजों की हालत स्थिर पाई गई। किसी को भी अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। किसी भी मामले की गंभीरता की सूचना नहीं है। पुलिस ने मामले पर तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थानीय दुकानदारों, विक्रेताओं और निवासियों को बीट स्टाफ और जन संबोधन प्रणालियों के माध्यम से जागरूक कर रही है। मामले को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए खाद्य विभाग को भी सूचित कर दिया गया है।

विधायक ने मांस की दुकानों को बंद कराने के लिए लिखा पत्र

लोनी। नवरात्र में मांस बिक्री करने वाली दुकानों को बंद करने के लिए लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने लोनी एसडीएम को पत्र लिखा हैं। विधायक ने पत्र में बताया कि नवरात्र के पावन पर्व पर क्षेत्र में दुर्गा पूजा और रामलीला आदि धार्मिक कार्यों का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में मंदिरों के पास और क्षेत्र में मांसाहारी होटल और दुकानों के खुले होने से व्रतियों के धार्मिक अनुष्ठानों के प्रभावित होने की आशंका है। विधायक ने एसडीएम से मांसाहारी होटल दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद कराए जाने की मांग की है। इसके अतिरिक्त विधायक ने पर्व पर लोनी के सभी मंदिरों रामलीला स्थलों की विशेष साफ सफाई की व्यवस्था कराई जाने की भी मांग की है।

पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ आरोपी को पकड़ा

लोनी। पुलिस ने चेकिंग के दौरान रविवार शाम कोतवाली क्षेत्र से वाहन चोर के आरोपी को गिरफ्तार किया। कब्जे से चोरी की बाइक बरामद हुई है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि गिरफ्तार वाहन चोर ने अपना नाम सलीम उर्फ सोनू निवास बलराम नगर कॉलोनी बताया है। पूछताछ में सलीम ने बताया कि उसने बाइक दिल्ली के गोकुलपुरी से चोरी की थी। आरोपी चोरी की बाइक को बेचने की फिराक में घूम रहा था।

शिक्षकों पर 12वीं की छात्रा से मारपीट का आरोप

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में संचालित एक निजी स्कूल की प्रधानाचार्य, उनके बेटे और स्कूल की दो अन्य शिक्षिकाओं पर 12वीं की छात्रा ने मारपीट का आरोप लगाया है। साथ ही प्रधानाचार्य के बेटे पर धमकी देने और पुलिस से शिकायत करने जाते समय रास्ता रोकने का भी आरोप है। विवाद 22 सितंबर को हुआ जब छात्रा घर में गमी (छात्रा की भाभी की मौत) होने की वजह से छात्रा स्कूल से जाने के लिए छुट्टी लेने गई और शिक्षिका ने मना कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों को बुलाया गया है। तहरीर में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर का ताला तोड़कर दिन-दहाड़े 3.50 लाख की चोरी

इंदिरापुरम। थाना क्षेत्र के न्यायखंड एक निवासी मोहम्मद जावेद हुसैन के मकान का ताला तोड़कर चोर दिन-दहाड़े 3.50 लाख रुपये के गहने चोरी करके ले गए। वारदात नौ अगस्त की है। लेकिन पुलिस ने पीड़ित को चक्कर कटवाते हुए एक माह बाद 21 सितंबर को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मुकदमे में मोहम्मद जावेद हुसैन ने बताया कि नौ अगस्त को वह परिवार के साथ बेटी के घर गए थे। देर शाम वह घर वापस लौटे थे। घर पहुंचने पर दरवाजा खुला मिला। चोरी की आशंका पर जब वह घर के अंदर पहुंचे तब दंग रह गए। घर की अलमारी खुली पड़ी थीं और सामान बाहर बिखरा हुआ था। जांच करने पर पता चला कि चोर लॉकर का ताला तोड़कर उसमें रखे रुपये और गहने चोरी कर लिए। उन्होंने अभय खंड पुलिस चौकी पर शिकायत की। उनका कहना है कि वह लगातार चौकी व थाने के चक्कर काटते रहे लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। अब एक माह बाद पुलिस ने शिकायत दर्ज की है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मुकदमा दर्ज होने में देरी को लेकर जांच की जा रही है।

डीयू एसओएल पूर्वी दिल्ली कैंपस का शुभारंभ, छात्रों के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सात मंजिला भवन तैयार

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में पढ़ने वाले उत्तर-पूर्वी और पूर्वी दिल्ली के छात्रों के लिए राहत भरी खबर है। एसओएल के पूर्वी दिल्ली कैंपस का सोमवार से शुभारंभ हो गया। सोमवार को ताहिरपुर स्थित नवनिर्मित पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र स्वाध्याय भवन का केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उद्घाटन किया। यह भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। छात्रों के लिए स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब सहित कई दूसरी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अवसर और सशक्तिकरण का केंद्र

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, एसओएल का पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र केवल एक संस्थान नहीं है बल्कि अवसर और सशक्तिकरण का द्वार है। मुझे विश्वास है कि एआई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के विजन को साकार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एसओएल इस विजन को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह दिल्ली के कार्यबल को और अधिक दक्ष और उत्पादक बनाने के लिए एक केंद्रीय केंद्र बन सकता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि स्वाध्याय भवन में उपलब्ध सुविधाएं इस बात का प्रमाण है कि एसओएल अपने छात्रों को नियमित कॉलेजों के समकक्ष उत्कृष्ट विधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रो. पायल मागो ने कहा पूर्वी और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के छात्रों का इस केंद्र का बहुत अधिक लाभ मिलने वाला है। एसओएल में करीब 60 फीसदी छात्र इन इलाकों से आते हैं। इस भवन के बनने से उनकी सुबह और शाम की कक्षाएं हो सकेंगी।

खुला अवसरों का द्वार

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि पूर्वी दिल्ली के नए क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन केवल एक बुनियादी ढांचे की उपलब्धि नहीं है बल्कि यह अवसरों का द्वार है जो सुनिश्चित करता है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में दूरी अब कभी बाधा नहीं बनेगी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि इस नए भवन का उद्घाटन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा ग्राफिकल वीडियो हमारे छात्रों के लिए सीखने को और प्रभावशाली बनाने के लिए जरूरी हैं। कौशल आधारित पाठ्यक्रम समय की मांग हैंजो उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं।

डीयू में ऑन द स्पॉट मॉप अप दाखिला आज से शुरू, 12 हजार से अधिक उम्मीदवारों ने कराया पंजीकरण

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए यूजी के विभिन्न कार्यक्रमों में ऑन द स्पॉट मॉप अप दाखिला राउंड के लिए 12 हजार से अधिक उम्मीदवारों ने पंजीकरण किया है। उम्मीदवारों के लिए दाखिला प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो रही है।

विभिन्न कार्यक्रमों में 9,194 सीट खाली : दाखिले के लिए मेरिट के आधार पर उम्मीदवारों को निमंत्रण भेजा जा चुका है। मॉप अप राउंड-1 के बाद बची खाली सीटों को भरने के लिए दोबारा से ऑन द स्पॉट मॉप अप दाखिला राउंड शुरू किया गया है। दाखिले के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में 9194 सीट खाली पड़ी है। इसमें सामान्य श्रेणी में 1439, ओबीसी श्रेणी में 2136, एससी श्रेणी में 1092, एसटी श्रेणी में 1528, इंडब्ल्यूएस में 1248, दिव्यांग श्रेणी में 1263, सिख में 246 और क्रिश्चियन में 242 सीटें शामिल हैं।

12,210 उम्मीदवारों ने किया पंजीकरण: डीयू दाखिला डीन प्रो. हनीत गांधी ने बताया, ऑन द स्पॉट मॉप अप दाखिला राउंड के लिए 12210 उम्मीदवारों ने पंजीकरण किया है। मेरिट लिस्ट के लिए चयनित उम्मीदवारों को निमंत्रण भेज दिया गया है। 23 सितंबर से दाखिला की प्रक्रिया शुरू हो रही है। दाखिले के लिए जिन उम्मीदवारों को निमंत्रण मिला होगा उनको यूनिवर्सिटी की ओर से निर्धारित समय के अनुसार रिपोर्ट करना होगा। अनुपस्थित रहने पर किसी शिकायत को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भाजपा पार्षदों में टकराव, नहीं हो पा रही एमसीडी की स्थायी समिति की बैठक

नई दिल्ली : एमसीडी की स्थायी समिति की बैठक भाजपा पार्षदों के आपसी टकराव के कारण स्थगित हो रही है। समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने 24 सितंबर को बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है, लेकिन 22 सितंबर की शाम तक समिति के सदस्यों को बैठक का एजेंडा नहीं भेजा गया। बैठक से कम से कम 72 घंटे पहले सदस्यों के पास एजेंडा पहुंचना अनिवार्य होता है। सूत्रों के अनुसार पिछली बैठक में कुछ प्रस्तावों के संबंध में लिए गए निर्णयों में भाजपा के कई पार्षद बदलाव चाहते हैं। खास तौर पर महापौर राजा इकबाल सिंह चाहते हैं कि पिछली बैठक की कार्रवाई में परिवर्तन किया जाए। वहीं, समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा इसके लिए तैयार नहीं हैं। भाजपा पार्षदों के इस टकराव का असर एमसीडी के कामकाज पर पड़ रहा है। समिति की बैठक नहीं होने के कारण करीब सौ प्रस्ताव लंबित हैं। खास बात यह है कि आम आदमी पार्टी के शासनकाल के दौरान इस समिति का गठन नहीं होने पर भाजपा ने लगातार सवाल उठाए थे। अब भाजपा के अपने पार्षदों के भीतर टकराव के कारण समिति काम नहीं कर पा रही है। सूत्रों के अनुसार, स्थायी समिति अध्यक्ष व महापौर के बीच शुरू से ही टकराव चल रहा है। महापौर ने पिछले दिनों कुछ प्रस्ताव को समिति अध्यक्ष को नजरअंदाज करते हुए स्वीकृति दी। इसके अलावा कई प्रस्तावों को समिति की बैठक में पेश करने की बजाय सीधे सदन में पेश किया गया। यह प्रस्ताव सीधे नीति निर्धारण और वित्त मामलों से संबंधित हैं, जिन्हें समिति में पेश करना या समिति अध्यक्ष के पास स्वीकृति के लिए भेजना जरूरी था।

पत्नी की हत्या के दोषी को उम्रकैद की सजा

गाजियाबाद। विजयनगर क्षेत्र में पांच वर्ष पूर्व पत्नी की हत्या के मामले में दोषी पाए गए पति को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. दिनेश चंद्र शुक्ला की अदालत ने दोषी लोकेश पर 26 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि अर्थदंड की आधी राशि मृतका के पिता को क्षतिपूर्ति के रूप में दी जाए।\1दिल्ली के गोकुलपुरी निवासी तनसुख ने विजयनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी गीता की शादी 28 अप्रैल 2009 को लोकेश निवासी विजयनगर से हुई थी। शादी में उन्होंने पचास लाख रुपये खर्च किए थे। गीता उस समय गोकुलपुरी क्षेत्र से निगम पार्षद भी थीं। शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर गीता के साथ मारपीट करने लगे थे।

जीएसटी में कमी...बाजार में आया बूम, सीएम रेखा ने खुद लिया फीडबैक, देश की वित्त मंत्री भी दिखीं

नई दिल्ली : देश में लागू जीएसटी रिफॉर्म के बाद व्यापारियों और उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने के लिए केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित वरिष्ठ नेताओं ने राजधानी के विभिन्न बाजारों का दौरा किया। इन नेताओं में कई केंद्रीय मंत्री भी शामिल थे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा के साथ पूर्वी दिल्ली की लक्ष्मी नगर मार्किट का दौरा किया। व्यापारियों ने टैक्स बोझ घटने से व्यापार में पूंजी बढ़ने की संभावना पर खुशी जताई। उपभोक्ताओं ने दाम कम होने के लिए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को धन्यवाद दिया। उनके साथ विधायक अभय वर्मा और पार्षद अल्का राघव भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने त्रिनगर मार्किट का दौरा कर व्यापारियों और ग्राहकों से बातचीत की। उनके साथ सांसद प्रवीन खंडेलवाल, विधायक तिलक राम गुप्ता और केशवपुरम जिलाध्यक्ष अजय खटाना मौजूद थे। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने स्थानीय विधायक अनिल शर्मा के साथ आरके पुरम मार्किट में व्यापारियों और उपभोक्ताओं से टैक्स कटौती पर प्रतिक्रिया ली। भाजपा सांसद और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नरेश बंसल एवं दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली

की बंगाली मार्किट में व्यापारियों से फीडबैक लिया और उनकी राय समझी। वहीं दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने विधायक अजय महावर और जिलाध्यक्ष यूके चौधरी के साथ उत्तर पूर्वी दिल्ली की भजनपुरा मार्किट में रिटेल दुकानदारों और आम जनता से चर्चा की। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने जनकपुरी की एकता मार्केट से शुक्र बाजार महावीर एनक्लेव पार्ट तीन तक जीएसटी में हुए सुधारों की जानकारी देने के लिए एक यात्रा निकाली। इसमें व्यापारी, स्थानीय लोग भी शामिल रहे। कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने भजनपुरा में निकाली धन्यवाद यात्रा। उन्होंने कहा कि जीएसटी छूट का फैसला अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित होगा और भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

चालकों की मनमानी रोकने के लिए ई-रिक्शा पर लगेंगे क्यूआर कोड

गाजियाबाद। जाम से निजात दिलाने और अपराध पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने विभिन्न मार्गों पर चलने वाले ई-रिक्शा पर क्यूआर कोड लगाने की शुरूआत की है। इससे चालकों की लोकेशन का पताकर उनकी मनमानी को रोका जा सकेगा।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध और यातायात आलोक प्रियदर्शी ने पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में सोमवार को 200 से अधिक ई-रिक्शाओं को क्यूआर कोड वितरित किए। जिले में 26 हजार से अधिक ई-रिक्शों पर आगामी दिनों में क्यूआर कोड लगाए जाएंगे।

इतना ही नहीं यातायात के पांच जोन में ई-रिक्शों पर लगे क्यूआर कोड के रंगों से रूट निर्धारित किए गए हैं। बताया कि गत दिनों कुछ ऐसी शिकायतें आई थी, जिनमें ई-रिक्शा संचालकों ने यात्रियों से लूटपाट और अभद्रता की थी। क्यूआर कोड से चालक का नाम, मालिक का नाम, लोकेशन, मोबाइल नंबर आदि दर्ज होगा।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि क्यूआर कोड के जरिए कोई भी सवारी और पुलिसकर्मी ई रिक्शा के पंजीकरण से जुड़ी जानकारी और मालिक का नाम, पता, मोबाइल नंबर पता कर सकते हैं। यातायात पुलिस को ई रिक्शा संचालन की दृष्टि से पांच जोन में बांटा गया है। सभी जोन के ई-रिक्शा पर अलग-अलग रंग के स्टीकर लगाए जाएंगे। क्यूआर कोड का एक

सॉफ्टवेयर होगा, जिसमें यात्रियों को फीडबैक भी लिया जाएगा। शिकायत पर ई-रिक्शा चालकों की त्वरित पहचान होगी।

एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद का कहना है कि इससे जनपद में संचालित ई-रिक्शा की सफर के दौरान एवं बांद में पहचान करना भी आसान हो जाएगा। सवारियों की सुविधा के लिए क्यूआर कोड और नंबरिंग वाला स्टीकर ई-रिक्शा के आगे, पीछे लगाया जाएगा। सवारी को स्टीकर पर लिखे गए नंबर को ही ध्यान रखना है।

न्यू गुरुग्राम के सेक्टर-76 से 80 तक जलभराव से मिलेगी राहत

गुरुग्राम। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) सेक्टर-76 से 80 तक करीब 18.32 किमी लंबे आरसीसी नाले का निर्माण जल्द शुरू कराने जा रहा है। सीएम की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त कार्य क्रय समिति (एचपीडब्ल्यूपीसी) से इसकी मंजूरी मिल गई है। बरसाती नाले के निर्माण से न्यू गुरुग्राम के पांच सेक्टरों के लोगों को राहत मिलेगी। इस परियोजना पर 104.95 करोड़ खर्च होंगे।

जीएमडीए के मुख्य अभियंता आरएस जांगड़ा ने बताया कि इस परियोजना को लेकर एचपीडब्ल्यूपीसी मंजूरी का नोट्स मिल गया है। ठेकेदार के साथ जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी कर जल्द काम शुरू कराया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि सेक्टर 76-80 के साथ करीब 18.32 किलोमीटर लंबे आरसीसी नाले का निर्माण कराया जाना है। इसमें छह किमी लंबी एनएच-48 के किनारे ड्रेनेज का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य ढाई साल है। नए सेक्टरों में पानी की निवासी के लिए ड्रेनेज लाइनों पर काम किया जा रहा है। बरसाती पानी की निकासी का पूरा नेटवर्क तैयार होने से जलभराव से राहत मिलेगी।

हाईवे पर भी जलभराव कम करने में मदद मिलेगी : जीएमडीए के अनुसार 6 किलोमीटर सेक्टर-48 में एनएच-48 के साथ, जबकि सेक्टर-76, 77, 78, 79 और 80 में 10.78 किलोमीटर लंबी ड्रेन का निर्माण होगा। ये नाले बादशाहपुर से जुड़ जाएंगे, जिससे इन इलाकों में जलभराव कम होगा। दिल्ली-जयपुर हाईवे के साथ नाले का निर्माण होने से हाईवे पर भी जलभराव को कम करने में मदद मिलेगी। सेक्टर-48 निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि मानसून के दौरान सेक्टर में जलभराव की समस्या आम है। जीएमडीए को पानी निकासी का ठोस इंतजाम करना चाहिए। सेक्टर-84 निवासी राहुल भारद्वाज ने बताया कि शहर में पानी की निकासी के बेहतर इंतजाम नहीं हैं। उन्होंने बताया कि न्यू गुरुग्राम में सड़कों पर भारी पानी जमा हो जाता है।

एसीपी की थार से स्टंट गाली-गलौज कर युवक को रौंदा, मौत; अज्ञात कार चालक पर हत्या का केस दर्ज

फरीदाबाद : एसीपी सराय राजेश कुमार लोहान की थार से स्टंट करते हुए कुछ युवकों ने नंगला एन्क्लेव पार्ट टू के प्रापर्टी डीलर मनोज को कुचलकर मार डाला। घटना रविवार देर रात एक बजे सेंट्रल थाना इलाके में सेक्टर-13 कट के पास हुई। युवक को रौंदने के बाद आरोपी थार सवार वहां से भाग गए। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि सेंट्रल थाना में अज्ञात कार चालक के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। कार एसीपी सराय राजेश कुमार लोहान के नाम पर रजिस्टर्ड है। नंगला एन्क्लेव पार्ट टू के विक्की ने पुलिस को बताया कि उनके बड़े भाई मनोज कुमार रविवार को अपने दोस्त अनिल राणा, प्रवेश, राहुल, अमन, शिवम, नवदीप के साथ वृंदावन गए थे। लौटते समय बाईपास रोड पर सेक्टर 9 में प्रवेश की दुकान पर सभी रुक गए। वहां से नवदीप और अमन बाइक लेकर खाना लेने के लिए 11/12 डिवाइडिंग रोड से धर्मा ढाबा पर जा रहे थे। आरोप है कि जब नवदीप और अमन सेक्टर 13 कट के पास पहुंचे तभी पीछे से आई थार के चालक ने उनकी बाइक की ओर कट मारा। जब नवदीप और अमन ने उनकी ओर देखा तो थार सवार गाली गलौज करने लगे। आरोपियों ने बार-बार कार से बाइक को टक्कर मारकर का प्रयास किया। इसके बाद थार सवार सेक्टर-12 की ओर मुड़ गए। नवदीप और अमन अपनी बाइक लेकर कुछ देर वहीं खड़े रहे। इस मामले में एसीपी का पक्ष नहीं मिल पाया है।

दोस्तों ने नोट किया गाड़ी का नंबर

तभी मनोज और बाकी दोस्त भी वहां कार से पहुंच गए। नवदीप व अमन ने दोस्तों को पूरी बात बताई तो सभी टाउन पार्क की ओर गए। वहां थार कार सवार स्टंट कर रहे थे। मनोज व उसके साथी गाड़ी से उतरकर थार की ओर बढ़े तो आरोपी थार सवार ने बाइक पर सवार नवदीप व अमन को पहचान लिया और उन्हें टक्कर मारने का प्रयास किया। बाकी लोग तो पीछे हट गए लेकिन मनोज को टक्कर मारकर कुचलते हुए आरोपी कार भगा ले गया। कार का नंबर युवकों ने नोट कर लिया। मनोज को गंभीर हालत में सेक्टर-16ए के मेट्रो अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार की मांग व विरोध पर ही सड़क हादसे के बजाय हत्या की धारा में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस उपायुक्त सेंट्रल ऊषा सिंह ने बताया कि जल्द ही कार चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

साढ़े चार किलो गांजे के साथ दो युवक गिरफ्तार

गुरुग्राम। अपराध शाखा मानेसर की पुलिस ने नाहरपुर गांव से दो युवकों को 4.500 किलो गांजे सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मानेसर थाने में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की। आरोपियों की पहचान गुरुग्राम के रविदास मोहल्ला निवासी नरेंद्र उर्फ टिल्लू और झज्जर के दुल्हेड़ा गांव निवासी कर्मजीत उर्फ कैंडी के रूप में हुई। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि गांजा एक युवक से 50 हजार रुपये में खरीदा था और मुनाफा कमाने के लिए छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर बेचने वाले थे। अपराध शाखा मानेसर की पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गांजा उपलब्ध कराने वाले युवक को भी गुरुग्राम से पकड़ लिया। आरोपी की पहचान बानसूर (राजस्थान) के उच्चानपुर गांव निवासी गजेंद्र उर्फ गज्जू के रूप में हुई है। आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड जांचने पर पता चला कि नरेंद्र उर्फ टिल्लू पर शस्त्र अधिनियम, एक्साइज एक्ट व हत्या करने के तहत तीन मामले गुरुग्राम में दर्ज हैं। कर्मजीत पर जान से मारने का प्रयास के तहत एक मामला पलवल में व मारपीट करने, हत्या करने के तहत दो मामले गुरुग्राम में दर्ज हैं।

काबुल से विमान के पहिए में छिपकर दिल्ली पहुंचे किशोर ने 1996 की कहानी दोहराई, तब लंदन गए थे दो भाई

नई दिल्ली : काबुल से विमान के पहिए में छिपकर 13 साल के किशोर के आईजीआई एयरपोर्ट आने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले वर्ष 1996 में पंजाब के रहने वाले दो भाइयों प्रदीप सैनी (23) और विजय सैनी (19) ने बिना वीजा और पासपोर्ट के गैर-कानूनी तरीके से विदेश जाने का फैसला लिया था। इस जानलेवा सफर में एक भाई की मौत हो गई थी।

प्रदीप सैनी और विजय सैनी पंजाब से दिल्ली पहुंचे और आईजीआई एयरपोर्ट पर कई दिन रेकी की। एयरपोर्ट में घुसने का रास्ता खोजकर दोनों भाई लंदन के हीथ्रो जाने वाली ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट के लैंडिंग गियर में छिप गए। विमान के टेकऑफ करते ही लैंडिंग गियर अंदर की ओर चले जाते हैं और दरवाजा बंद हो जाता है।

दिल्ली से रवाना होने के करीब 10 घंटे बाद जब फ्लाइट लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर लैंड हुई तो एक कर्मचारी को लैंडिंग गियर से भारी-भरकम चीज गिरी हुई दिखी। पास जाकर देखा तो वह प्रदीप

सैनी था जिसकी सांसें चल रही थीं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां होश आने पर उसने पूरी कहानी सुनाई।

प्रदीप ने जब अपने छोटे भाई विजय के बारे में पूछा तो उसकी तलाश की गई। घटना के पांच दिन बाद उसका शव साउथ-वेस्ट लंदन के रिचमोंड स्थित एक औद्योगिक क्षेत्र में मिला। पता चला कि ठंड की वजह से उसकी मौत हो गई थी। वह लैंडिंग के दौरान एयरपोर्ट के नजदीक विमान से दो हजार फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गया था।

विमान के पहिये में छिपकर अफगानिस्तान से दिल्ली पहुंचा किशोर : आईजीआई एयरपोर्ट पर एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। अफगानिस्तान से एक 13 साल का किशोर विमान के पहिये में छिपकर काबुल से दिल्ली पहुंच गया। किशोर को इमिग्रेशन विभाग ने अपने हिरासत में रखा हुआ है और उससे पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि किशोर ईरान जाना चाहता था। इमिग्रेशन विभाग किशोर को वापस काबुल भेजने की प्रक्रिया कर रहा है।

एयरपोर्ट के अधिकारी के मुताबिक घटना रविवार की है। रविवार सुबह करीब 10.20 बजे काबुल से काम एयरवेज की फ्लाइट संख्या आरक्यू 4401 आईजीआई एयरपोर्ट पहुंची। फ्लाइट ने सुबह 8.46 बजे काबुल से उड़ान भरी थी। आईजीआई एयरपोर्ट पर यात्रियों के उतरने के बाद विमान टैक्सीवे पर खड़ा था। वहां मौजूद कर्मचारियों ने विमान के पास एक किशोर को संदिग्ध हालत में घूमते हुए देखा। कर्मचारियों ने किशोर से पूछताछ की। उसने बताया कि वह अफगानिस्तान का रहने वाला है। कर्मचारियों ने तुरंत अधिकारियों को इस बात की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ के जवान वहां पहुंचे और किशोर को हिरासत में ले लिया। किशोर से पूछताछ करने के बाद उसे इमिग्रेशन विभाग के हवाले कर दिया गया।

ईरान जाना चाहता था, पहुंच गया दिल्ली : पूछताछ में पता चला कि अफगानिस्तान का रहने वाला किशोर ईरान जाना चाहता था। वह गलती से भारत आने वाली फ्लाइट में चढ़ गया। उसने बताया कि काबुल एयरपोर्ट पर वह यात्रियों की गाड़ी के पीछे-पीछे अंदर घुस गया और फिर विमान के व्हील वेल में छिप गया। उड़ान भरने के बाद पहिये के अंदर जाने के बाद दरवाजा बंद हो गया और वह उसी में चिपका रहा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)